

# માહે રજબકે અઅમાલ

**: પ્રકાશક :**

**હાજીનાજી મેમોરિયલ ટ્રસ્ટ**

માળી ટેકરા, આંબાચોક,

ભાવનગર - ૩૬૪૦૦૧.

મો : +૯૧-૮૪૬૦૫૩૪૫૯૮

**: વેબસાઈટ :**

[www.hajinaji.com](http://www.hajinaji.com)

**: ફેસબુક :**

[fb.com/HajiNajiTrust](https://fb.com/HajiNajiTrust)

## **-: નોંધ :-**

★ વધુ કિતાબો ડાઉનલોડ કરવા માટે [www.hajinaji.com](http://www.hajinaji.com) પર લોગ ઓન કરો.

★ કિતાબમાં કોઈ ભૂલચૂક જણાય તો પેજની વિગત અને કિતાબનું નામ જણ કરવા વિનંતી.

[hajinajitrust@gmail.com](mailto:hajinajitrust@gmail.com)

# ਅਨੁਕ੍ਰਮਇਕਾ

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੀ ਝੰਗੀਲਤ ਓਰ

ਅਰਮਾਲ ..... 00੫

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੇ ਮੁਸ਼ਤਰਕਾ

ਅਰਮਾਲ ..... 00੯

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੀ ਪਠੇਲੀ ਰਾਤ ..... 0੬੧

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੀ ਪਠੇਲੀ ਕਾ

ਦਿਨ ..... 0੭੬

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੀ ਤੇਰਵੀਂ ਕੀ

ਰਾਤ ..... 0੮੧

ਮਾਠੇ ਰਾਜਕੀ ਤੇਰਵੀ ਕਾ

ਦਿਨ ..... 0੮੨

માહે રજબ કી પંદરવીં કી

રાત ..... ૦૮૩

માહે રજબ કી પંદરવીં કા

દિન ..... ૦૮૬

માહે રજબ મેં ઉમ્મે દાઉદકા

અમલ ..... ૦૯૦

માહે રજબ કી પચ્ચીસવીં કા

દિન ..... ૧૨૪

માહે રજબ કી સત્તાઈસવીં કી

રાત ..... ૧૨૪

માહે રજબ કી સત્તાઈસવીં કા

દિન ..... ૧૪૮

માહે રજબ કા આખરી દિન ... ૧૬૫

## माहे रज्जकी इलीत और आ'माल

वाले रहे के माहे रज्ज, शरमान, और रमजान जडी अरमत और जुलंदी के हामिल है और जहोतसी रिवायत में उनकी इलीत जयान हुं है. जैसा के हररत रसूले जुदा (स.अ.व.) का इरशाद है, के माहे रज्ज जुदा के नरदीक जहोत शियाद जुसुगी का हामिल है. कोर भी महीना हुंरमतो इलीत में उसका हम पला नही और उस महीने में काफ़िरो से जंगो जेदाल करना हराम है. नीर यह के रज्ज जुदा का महीना है, शरमान मेरा महीना है और रमजान मेरी उरमत का महीना है. रज्ज में अक रोजा रफनेवाले को जुदा की अलीम जुशनुदी हसिल होती है. गरजे इलाही उससे दूर हो जाता है, और जहन्नम के दरवाजे में से अक दरवाजा उस पर बंध हो जाता है.

इमाम मूसा काज़िम (अ.स.) इरमाते है

के माहे रज्ज में अेक रोजा रज्जनेसे जहन्नम की आग अेक साल की मसाइत तक दूर हो जाती है. और जो शप्स ँस माहमें तीन दिन रोजे रज्जे तो जन्नत उसके लिये लाजिम हो जाती है. नीज हजरत इरमाते है, के रज्ज जहिश्त में अेक नहेर है, जिसका पानी दूध से जियादा सडेद और शेहद से जियादा शीरी है. और जो शप्स ँस माहमें अेक दिन रोजा रज्जे तो वोह ँस नेहरसे शयराज होगा.

ईमाम जअइरे सादिक (अ.स.) से मरवी है के हजरत रसूले जुदा (स.अ.व.)ने इरमाया, के रज्ज मेरी उम्मत के लिये ईस्तेगजार का महीना है. पस, ईस महीने में जियादा से जियादा तलजे मगइरत करो के जुदा जहोत जक्षनेवाला और महेरजान है. रज्ज को असण्ण भी कहा जाता है, क्योकि ईस माह में मेरी उम्मत पर जुदा की रहेमत जहोत जियादा जरसती है. पस ईस माह में

ज कसरत कहा करो :

असंतगोंके रूखाड व असंअलोडुत  
तवंपड.

में जुदा से बक्षिश याहता हुं और तौबा  
की तौफीक मांगता हुं.

एवने जाणवयने मोअतजर सनद के  
साथे सालम से रिवायत की है के उन्होने  
कहा : में अवाजिरे रज्ज में एमाम सादिक  
(अ.स.)की जिदमत में हाजुर हुवा तो  
हजरतने मेरी तरफ देणते हुअे इरमाया के  
एस महीने में रोजा रण्णा है? मैंने अर्ज  
किया इरअंटे रसूल! वल्लाह नही तज इरमाया  
के तुम एस कदर सवाज से महेरम रहे के  
जिसकी मिकदार सिवाजे जुदा के कोए नही  
जानता कयुं के यह वोह महीना है, जिसकी  
इमीलत तमाम महीनो से जियादा और हुरमत  
अमीम है. और जुदाने एसमे रोजा रणनेवाले  
का अहेतेराम अपने उपर लाजिम कर लिया

है. मैंने अर्ज किया अथ इर्रमंडे रसूल! अगर में इस के जाकी मान्दह दिनों में रोजा रज्जुं तो क्या मुझे सवाब मिल जायेगा? आपने इर्रमाया, अथ सालम! आगाह रहो के जो शप्स आफिर रज्ज में अेक रोजा रज्जे तो जुदा उसको मोत की सफ्हीयो और जाद अर्र मोत की होलनाकी और अर्राजे कफ्र से महेङ्गू रज्जेगा. जो शप्स माहे रज्ज के आफिर में दो रोजे रज्जे वोह पुले सेरात से जआसानी गुजर जायेगा और जो आपेरी में तीन रोजे रज्जे उसे कयामत में सफ्फ तरीन पौङ्, तंगी और होलनाकी से महेङ्गू रज्जा जायेगा और उसको जहन्नम की आगसे आर्रादी का परवाना अता होगा.

वाग़ेह हो के माहे रज्ज में रोजा रज्जने की इम्तीलत जहोत मियादा है. जैसा के रिवायत में है के अगर कोई शप्स रोजा न रज्ज सकता हो वोह हर रोज अेक सो मरतजा



यह तरुणीहात पढे तो उसको रोगा रणने का सवाण हासिल हो जायेगा.

सुभङ्गानलं धलाहिलं जलीले  
 सुभङ्गान मलं ला यमभगीतं तसेभीहो  
 धला लहु सुभङ्गानलं अअंउजिलं  
 अकरमे, सुभङ्गान मलं लभेसलं धंउज  
 व डोव लहु अहंलुनं

पाक है वोह मअभूद, बडी शानवाला, पाक है वोह के जिसके सिवा कोई लाईके तरुणीह नही पाक है वो जो बडा धंउजतवाला बडा बुजुर्गीवाला है. पाक है वोह जो लिबासे धंउजत में मलभूस हुवा और वोही उसका अहल है.

### माहे रज्ज के मुश्तरेका आ'माल

यह माहे रज्ज के आ'माल में पहेली किसम के आ'माल है जो मुश्तरेका और किसी आस दिन के साथे मजसूस नहीं है. और

યહ ચંદ એક આ'માલ હૈ :

૧- રજબ કે પુરે મહીને મેં યહ દુઆ પડતા રહે ઔર રિવાયત હૈ કે યહ દુઆ ઈમામ ઝૈનુલ આબેદીન (અ.સ.)ને માહે રજબ મેં હિજર કે મકામ પર પઢી.

યા મંયં યમલેકો હુંવાએજસ  
સાએલીન વ યઅંલમો ઝંમીરસં  
સાંમેતીન લે કુલ્લે મસઅલતિમ મિનક  
સમઉને હાંઝેરુંવ વ જવાબુને અંતીદુને  
અલ્લાહુમ્મ વ મવાઈદોકસં સાંદેકંતો વ  
અયાદીકલ ફાઝેલતો વ રહુંમતોકલ  
વાસેઅંતો ફ અસઅલોક અને તોસંલ્લેય  
અંલા મોહુંમદિવ વ આલે મોહુંમદિવ  
વ અને તકંઝેય હુંવાએજી લિદ દુનયા  
વલ આખેરતે ઈત્રક અંલા કુલ્લે શયઈને

## कंदीर.

अय वोह जो सवालीयों की हाजत का मालिक है. और आमोश लोगों के दिलो की बातें जानता है. हर वोह सवाल जो तुजसे किया जाये तेरा कान उसे सुनता है. और उसका जवाब तैयार है.

अय मअबूद! तेरे सब वादे यकीनन सच्ये है. तेरी नेअमतें बहोत उमदा है और तेरी रહેमत बडी वसीअ है, पस, में तुजसे सवाल करता हुं के रહેमत नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और आले मोहम्मद (अ.मु.स.) पर और यह के मेरी दुनिया और आभेरत की हाजते पुरी इरमा बेशक, तु हर चीज पर कुदरत रખता है.

र-यह दुआ पढे के जिसे इमाम जअइर सादिक (अ.स.) रज्ज में हर रोज़ा पढा करते थे.

ખાંબલે વાફેદૂન અંલા ગંયરેક વ  
 ખંસેરલે મુતઅંરેરેઝૂંન ઈલ્લા લક વ  
 ઝાંઅંલે મુલિમ્મૂન ઈલ્લા બેક વ  
 અજદબલે મુનંતજેઉંન ઈલ્લા  
 મનિનંતજઅં ફઝલક બાબોક મફતૂહુંલે  
 લિરે રાગેબીન વ ખંયરોક મબંઝુંલુલે  
 લિતં તાંલેબીન વ ફઝલોક મુબાહુંલે લિસં  
 સાએલીન વ નયલોકો મોતાહુંલે લિલે  
 આમેલીન વ રિઝકોંક મબંસૂતુંલે લેમનં  
 અંસાંક વ હિલેમોક મુઅંતરેઝૂંલે લે મનં  
 નાવાક આંદતોકલે એહંસાનો ઈલલે  
 મોસીઈન વ સબીલોકલે ઈબંકાંઓ  
 અંલલે મુઅંતદીન. અલ્લાહુમ્મ ફહદેની  
 હુદલે મુહંતદીન વરેઝુકંનીજતેહાદલે

मुजतहेदीन व ला तजुअंलनी मिनल  
गॉइलीनल मुजुअंटीन वगॉइर ली  
यवमददीन.

ना उम्मीद हुअे तेरे गैर की तरफ जानेवाले,  
घाटे में रहे तेरे गैरसे सवाल करनेवाले, तभाह  
हुअे तेरे गैर के हां जानेवाले, कहेत का शिकार  
हुअे रोमी तलब करनेवाले मगर, वोह नही  
जिन्होने तेरे झल से रिजक मांगा, तेरा दर  
अहेले रगभत के लिये जुला है, और तेरी अता  
उम्मीदवारो के लिये आमादा है. तेरा रिजक  
नाइरमानो के लिये भी इरावां है. तेरी बुईबारी  
दुश्मन के लिये जाहरो अयां है. गुनेहगारो पर  
अेहसान करना तेरा मुस्तकिल इअल है, और  
जालिमो को बाकी रहेने देना तेरा शेवा है.

अय मअबूद! मुजे छिदायत याइता लोगों  
की राह पर लगा और कोशिश करनेवालो की सी  
कोशिश नसीब इरमा मुजे गाइल और दूर किये

हुअे लोगो में से करार न दे और यअे जअा मुअे  
बक्ष दे.

3- शेअने मरिषाह में इरमाया है के  
मोअल्ला अिन अुनेसने ँमामे जअइरे सादिक  
(अ.स.)से रिवायत की है. आपने इरमाया  
के माहे रज्ज में यह दुआ पढा करो :

अल्लाहुम्म ँशी असअलोक  
संअरशं शाकेरीन लक व अंमललं  
आंअेईन मिनंक व यकीनलं आंअेदीन  
लक. अल्लाहुम्म अनंतलं अंलीयुलं  
अंजींमो व अना अंअेदोकलं आअेसुलं  
इकीरो अनंतलं गंनीयुलं हुंभीदो व  
अनलं अंअेदुअं अंलीलो अल्लाहुम्म  
संदले अंला मोहुंमदिवं व आलेही  
वमनुनं अे गेनाक अंला इकैरी व अे

हिलमेक अंला जडली व बे कुंत्वतेक  
 अंला अंअंई, या कुंवीयो, या अंलीओ  
 अल्लाहुम्म सँल्ले अंला मोहँम्मदिव व  
 आलेहील अवसेयाँल मरजीयीन  
 वकईनी मा अहम्मनी मिन अमरिद  
 दुनया वल आभेरते या अरहँमर  
 राहँमीन.

अय मअबूद! में तुजसे सवाल करता हुं के  
 मुझे शुक्र गुजारों का सभ्र, उरनेवालो का अमल  
 और ईबादत गुजारों का यकीन अता इरमा.

अय मअबूद! तु बुलंदतर बुरुगतर है  
 और में तेरा हाजतमंद और बे मालो मनाल  
 बंदा हुं. तु बे नियाज और तारीफवाला है और  
 में तेरा पस्त तर बंदा हुं.

अय मअबूद! रहेमत नाजिल इरमा  
 मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और

मेरी मोहताज पर अपने माल से, मेरी नादानी पर अपनी मुलाअमत से और अपनी कुव्वत से मेरी कमजोरी पर अहसान इरमा अय कुव्वतवाले! अय जबरदस्त! अय मअबूद!

अय मअबूद! रहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर, जो पसंदीदा अवसियाओ जानशीन है, और दुनियाओ आभेरत के अहेम मामलो में मेरी किफायत इरमा.

अय सबसे ज़ियादा रहेम करनेवाले

मोअल्लिह कहते हैं के किताबे ईक़्बाल में सैयद जिन ताउिसने भी ईस दुआ की रिवायत की है ईससे ग़ाहिर होता है के यह ज़ामेअ तरीन दुआ है. और ईसे हर वक़्त पढा जा सकता है.

४- शेष इरमाते हैं के ईस दुआ को हररोज़ पढना मुस्तहब है :

अह्लाहुम्म या अल्ल मेननिस



સાબેગંતે વલ આલોઈલ વાઝેઅંતે વર  
 રહુંમતિલ વાસેઅંતે વલ કુંદરતિલ  
 જામેઅંતે વન નેઅંમિલ જસીમતે વલ  
 મવાહેબિલ અંઝીમતે વલ અયાદિલ  
 જમીલતે વલ અંતાંયલ જઝીલતે યા મલ  
 લા યુનઅંતો બે તમસીલિંવ વ લા  
 યોમસંલો બે નઝીરિંવ વ લા યુગંલબો  
 બે ઝંહીરિન યા મન ખંલકં ફ રઝકં વ  
 અલહમ ફ અનતંકં વબતદઅં ફ શરઅં  
 વ અંલા ફરતફઅં વ કુંદર ફ અહુંસન  
 વ સંવર ફ અતકંન વહુંતજજ ફ  
 અબલગં વ અનઅંમ ફ અસબગં વ  
 અઅંતો ફ અજઝલ વ મનહું ફ અફઝંલ  
 યા મન સમા ફિલ ઈઝઝે ફ ફાત

નવાઝરલ અબસારે વ દના ફિલ લુતંકે  
 ફ જાઝ હવાજેસલ અફકારે યા મન  
 તવહંહંદ બિલ મુલકે ફ લા નિદંદ લહૂ  
 ફી મલકૂતે સુલતાંનેહી વ તફરેરદ બિલ  
 આલાએ વલ કિબરેયાએ ફ લા ઝિદંદ  
 લહૂ ફી જબરૂતે શઅનેહી યા મન હાંરત  
 ફી કિબરેયાએ હયબતેહી દકાંયેકો  
 લતાંયેફિલ અવહામે વનહંસરત દૂન  
 ઈદરાકે અંઝમતેહી ખંતાંયેફો  
 અબસારિલ અનામે યા મન અંનતિલ  
 વોજૂહો લે હયબતેહી વ ખંઝઅતિર  
 રેકાંબો લે અંઝમતેહી વ વજેલતિલ  
 કુંલૂબો મિન ખીફતેહી અસઅલોક બે  
 હાઝહિલ મિદહંતિલ લતી લા તમબગી

ઈલ્લા લક વ બે મા વ અર્યત બેહી અંલા  
 નફસેક લે દાઈક મિનલ મુઅમેનીન  
 વબેમા ઝંમિનતલ ઈજાબત ફીહે અંલા  
 નફસેક લિદ દાઈન યા અસમઅંસ  
 સામેઈન વ અબસંરન નાઝરીન વ  
 અસરઅંલ હાંસેબીન યા ઝલ કુવ્વતિલ  
 મતીન સંલ્લે અંલા મોહંમદિન  
 ખાંતમિન નબીયીન વ અંલા અહલે  
 બર્યતેહી વકસિમ લી ફી શહરેના હાઝા  
 ખંયર મા કંસમત વહંતિમ લી ફી  
 કંઝાએક ખંયર મા હંતમત વખંતિમ લી  
 બિસ સઆદતે ફી મન ખંતમત વ  
 અહંયેની મા અહંયર્યતની મવફૂરંવ વ  
 અમિતની મસૂરંવ વ મગફૂરંવ વ

તવલ્લ અનંત નજાતી મિમ  
 મોસાઅલતિલ બરેઝખે વદરઅ અંત્રી  
 મુનકરંવ વ નકીરંવ વ અરે અંચની  
 મોબશ્શરંવ વ બશીરંવ વજેઅંલ લી  
 ઈલા રિઝવાનેક વ જેનાનેક મસીરંવ વ  
 અંચશન કંરીરંવ વ મુલકન કબીરંવ વ  
 સંલ્લે અંલા મોહંમદિવ વ આલેહી  
 કસીરા.

અય મઅબૂદ! અય જારી નેઅમતોવાલે  
 ઔર અતા શુદા નેઅમતોવાલે, અય કુશાદા  
 રહેમતવાલે, અય પુરી કુદરતવાલે! અય બડી  
 નેઅમતોવાલે, અય બડી અતાઓવાલે!

અય પસંદીદા બક્ષિસવાલે ઔર અય  
 અઝીમ અતાઓવાલે! અય વોહ જિસકે વસ્ફ કે  
 લિયે કોઈ મિસાલ નહી ઔર જિસ્કા કોઈ સાની  
 નહી, જિસે કિસીકી મદદ સે મગલૂબ નહી કિયા

शु सकता. अय वोह! जिसने पैदा किया तो रोजी दी ईल्लाम (प्रेरणा) किया तो गोयाई (वाया) बक्षी नअे नकूश (आकृति) बनाअे तो रवां कर दिये बुलंद हुवा तो बहोत बुलंद हुवा अंदाज किया तो भूब किया सुरत बनाई तो पाअेदार बनाई. हुज्जत काईम की तो पछोंयाई, नेअमत दी तो लगातार दी. अता किया तो बहोत जियादा और दिया तो बढाता गया.

अय वोह, जो ईज्जत में बुलंद हुवा, तो अैसा बुलंद के आंभो से ओजल हो गया. लुत्फो करम में करीब हुवा तो झिको जियाल से भी आगे निकल गया. अय वोह! जो बादशाह में यकता है. के जिसकी बादशाही के ईकतेदार में कोई सानी नही वोह अपनी नेअमतो और अपनी बडाई में यकता है.

पस, शाने अजमतमें कोई उसका मुकाबिल नही अय वोह! जिसके दब दबे की अजमत से बईदतर जियालों की बारीकीयां डयरत जदां है

और उसकी बुजुर्गी को पड़ेयान ने में लोगो की आंभो की परवाजे कोताह और कासिर है.

अय वोह! जिसके रोअभ के आगे यहेरे लुके हुअे है. और गरदनं उसकी बडाई के सामने नीयी है. और दिल उसके फोड़ से डरे हुअे है, सवाल करता हुं तेरी उस तारीफ के जरीअे जो सिवाअे तेरे किसी को जेअ नही और उसके वास्ते जो कुछ तूने अपने जिम्मे लिया पुकारनेवालों की खातिर के जो मोअमीनो मेंसे है. उसके वास्ते जिससे तूने पुकारनेवालों की दुआ कबूल करनेकी जमानत दे रब्बी है.

अय सबसे जियादा सुननेवाले! अय सबसे जियादा देखनेवाले! अय तेजतर हिसाब करनेवाले, अय मोहकमतर कुव्वतवाले, रहेमत नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) पर जो नबीओं के खातिम है. और उनकी अेहलेअयत पर भी और ईस महीने में मुजे ईससे बहेतर हिससा दे जो तु तकसीम करे. और अपने ईसलो

में मेरे लिये बेहतरो यकीनी ईसला इरमा कर मुजे नवाज और ईस महीने को मेरे लिये खुश अप्ती पर तमाम कर दे. और जब तक तु मुजे जिंदा रखे इरावां रोजी से जिंदा रख. और मुजे खुशीओ बक्षिस की छालत में मोत दे. और बरज्ज की गुइतगु में तु खुद मेरा सरपरस्त बन जाना. मुन्करो नकीर को मुजसे दूर कर देना, और मुबशशिरो बशीर को मेरी आंघो के सामने लाना और मुजे अपनी रजामंदी और बखिशत के रास्ते पर गामजन कर देना. वहां आंघो को रोशन करनेवाली जिंदगी और बडी छकूमत अता करना. और तु रछेमत नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) पर और उनकी आल पर बछोत बछोत.

मोअल्लीइ कहते हैं के यह दुआ मखिदे सअसअ में पढी जाती है, जो मखिदे इइ के करीब है.

प-शेजने रिवायत की है के नाहिया

મુકદ્દસા (ઈમામે ઝમાના અ.સ. કી જાનિબ)  
 સે ઈમામે અસ્ર (અ.સ.) કે વકીલ શેખે કબીર  
 અબુ જઅફર મોહમ્મદ બિન સઈદ બિન  
 ઉસ્માન રઝેયલ્લાહો અન્હુ કે ઝરીએ બિન  
 સઈદ સે યે તોકીઅ યઅને મકતૂબ આયા હૈ  
 બિસ્મિલ્લાહિ રહમાનિ રહીમ રજબ કે મહીને  
 મેં યે દુઆ હર રોઝા પઢા કરે.

બિસ્મિલ્લાહિર રહમાનિર રહીમ.

અલ્લાહુમ્મ ઈન્ની અસઅલોક બે  
 મઆની જમીઓં મા યદઉંક બેહી  
 વોલાતો અમરેકલ મઅમૂનૂન અંલા  
 સિરરેકલ મુસતબશેરૂન બે અમરેકલ  
 વાસેકૂન લે કુંદરતેકલ મુઅલેનૂન લે  
 અંઝમતેક અસઅલોક બે મા નતંક  
 ફીહિમ મિમ મશીયતોક ફ જઅલતહુમ  
 મઆંદેન લે કલેમાતેક વ અરકાનલ લે



તવેહીદેક વ આયાતેક વ મકાંમાતેકલે  
 લતી લા તઅંતીલ લહા ફી કુલ્લે મકાનિને  
 યઅંરેફોક બેહા મને અંરફક લા ફરકે  
 બયનેક વ બયનેહા ઈલ્લા અશહુમ  
 એબાદોક વ ખંલેકોક ફતેકોહા વ  
 રતેકોહા બે યદેક બદઓહા મિનેક વ  
 અંવેદોહા ઈલયેક અઅંઝાદુંવ વ  
 અશોહાદુંવ વ મોનાતુંવ વ અઝવાદુંવ વ  
 હુંફઝંતુવ વ રૂવ્વાદુને ફ બેહિમ મલઅંત  
 સમોઅક વ અરેઝંક હુંતા ઝંહર અલે લા  
 ઈલાહ ઈલ્લા અનંત ફ બે ઝાલેક  
 અસઅલોક વ બે મવાકેઈલે ઈઝેમિરે  
 રહુંમતેક વ બે મકાંમાતેક વ અંલામાતેક  
 અનં તોસંલ્લેય અંલા મોહુંમ્મદિવ વ

આલેહી વ અન તઝીદની ઈમાનવં વ  
 તસંબીતનં યા બાતેનનં ફી ઝુંહૂરેહી વ  
 ઝાહેરનં ફી બુતૂનેહી વ મકનૂનેહી યા  
 મોફરરેકંનં બયનનં નૂરે વદ દયજૂરે યા  
 મવસૂફમં બે ગંયરે કુનહિવં વ મઅરૂફમં  
 બે ગંયરે શિબહિનં હાદદ કુલ્લે મહદૂદિવં  
 વ શાહેદ કુલ્લે મશહૂદિવં વ મૂજેદ કુલ્લે  
 મવજૂદિવં વ મુહસેય કુલ્લે મઅદૂદિવં  
 વ ફાકેદ કુલ્લે મફકુંદિનં લયસ દૂનક  
 મિમં મઅબૂદિનં અહલલ કિબરેયાએ  
 વલ જૂદે યા મલ લા યોકયફો બે કયફિવં  
 વ લા યોઅયનો બે અયનિનં યા  
 મુહતજેબનં અંન કુલ્લે અંયનિનં યા  
 દયમૂમો યા કંયુમો વ આલેમ કુલ્લે

मअँलूमिनं. संल्ले अँला मोळंभमदिवं व  
 आलेही व अँला अँबाटेकलं  
 मुनंतजुपीन व बशरेकलं मुळंतजुपीन  
 व मलाँकेकतेकलं मुकँररपीन वलं  
 बुडमिसँ साँईईनलं हाँईईईन व  
 बारिकं लना ई शहरना हाळंलं  
 मुरजुजुबिलं मुकरंरमे व मा बअँदळू  
 मिनलं अशँडोरिलं डोरंमे व असँबिगँ  
 अँलयना ईहिनं नेअँम व अजुजिलं  
 लना ईहिलं कँसम व अबरिळं लना  
 ईहिलं कँसम बिसंमेकलं अअँळंमिलं  
 अअँळंमिलं अजुलंलिलं अकंरमिलं  
 लळी वळंअँतळू अँलनं नडारे इ अळंअ  
 व अँललं लयले इ अळंलम वगँइरं

લના મા તઅંલમો મિશા વ મા લા  
 નઅંલમો વઅંસિંમેના મિનઝં ઝાંનૂબે  
 ખંયરલે એસંમે વકફેના કવાફેય કંદરેક  
 વમનુને અંલયના બે હુંસને નઝરેક વલા  
 તકિલના ઈલા ગંયરેક વ લા તમનઅંના  
 મિન ખંયરેક વ બારિક લના ફી મા  
 કતબતહૂ લના મિન અઅંમારેના વ  
 અસંલેહ લના ખંબીઅત અસરારેના વ  
 અઅંતેના મિનકલ અમાન  
 વસંતઅંમિલના બે હુંસનિલ ઈમાને વ  
 બલલિગના શહરસં સિંયામે વ મા  
 બઅંદહૂ મિનલ અયામે વલ અઅંવામે  
 યા ઝલ જલાલે વલ ઈકરામ.

ખુદા કે નામસે (શરૂ) જો રહેમાન, વ રહીમ  
 હૈ.

अय मअबूद! में सवाल करता हूं तुझसे  
 उन पुर मअनी अलझाज के जरीअे जिनसे मेरे  
 अम्र के वली तुझे पुकारते है, जो तेरे राज के  
 अमानत दार, तेरे अम्र की खुशखबरी पानेवाले  
 तेरी कुरदत की तौसीफ करनेवाले और तेरी  
 अजमत का अेलान करनेवाले है.

तुझसे सवाल करता हूं बवासता तेरी उस  
 मशीयत के जो उनके हकमे गोया है. पस, तुने  
 बनाया उनको अपनी कलमात की कानें और  
 अपनी तौहीद, आयात और मकामात के  
 अरकान, के जो किसी जगा भी अपने इरज के  
 अदा करने से बाज नही रहते, के जो तुझे  
 पडेयानता है उनके जरीअे पडेयानता है. इनमे  
 तुझमे कोई तफरीक नही मगर यह के वोह तेरे  
 बंदे और तेरी मख्लूक है के, उनकी हरकतो सुकुन  
 तेरे हुकमसे है, उनकी इन्तेदा तुझसे और इन्तेहा  
 तुझ तक है. वोह मददगार, गवाल, आजमूदा,  
 दाफेअ, मुहाझिज और पयगाम रसां है. उन्ही

કે ઝરીએ તુને આસ્માનો ઝમીન કો આબાદ કિયા તબ આશકાર હુવા કે તેરે સિવા કોઈ મઅબૂદ નહીં.

પસ, ઉનકે ઝરીએ ઓર તેરી રહેમત કે અઝીમ મોકઓ કે વાસ્તે સે ઓર તેરે મરાતિબ ઓર નિશાનીયો કે ઝરીએ સવાલ કરતા હું કે મોહમ્મદ (સ.અ.વ.) ઓર આલે મોહમ્મદ (અ.મુ.સ.) પર રહેમત ફરમા, ઓર મેરે ઈમાનો સાબિત કદમીમેં ઈઝાફા ફરમા.

અય વોહ, કે અપને ઝહૂરમેં પોશીદા ઓર અપની પોશીદગીયો ઓર પદોમેં ઝાહિર હૈ અય નૂર ઓર તારીકીયો મેં જુદાઈ ડાલનેવાલે અય બગૈર ઈલ્મે ઝાત કે કાબિલે તૌસીફ ઓર બગૈર મિસાલ કે પહેચાને જાનેવાલે. હર મહેદૂદ કી હદબંદી કરનેવાલે અય હર મોહતાજે ગવાહી કે ગવાહ, હર મૌજુદ કે ઈજાદ કરનેવાલે, હર તઅદાદ કે શુમાર કરનેવાલે, હર ગુમશુદા કે ગુમ કરનેવાલે! તેરે સિવા કોઈ મઅબૂદ નહી કે જો

बडाई और सभावतवाला हो.

अय वोह! जिसकी हकीकत बे बयान है. जो किसी मकानमें समाता नहीं अय वोह! जो हर आंख से ओजल है, अय हमेशगीवाले! अय निगेहबान! और हर चीज के जाननेवाले, रहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और अपने पाक निहाद बंदो पर, और पोशीदा रहेनेवाले ईन्सानो पर और अपने मुर्करब इरिशतो पर और ना मालूम सइ बस्ता और दाईरे में बडे हुओं पर और बरकत नाजिल इरमा हमारे लिये हमारे ईस रजब के महीने में जो बुजुर्गीवाला है और ईसके बा'द आनेवाले मोहतरम महीनो में नीज, ईस महीने में हम पर नेअमते कामिल इरमा और हमें जियादा हिस्सा ईनायत कर और ईस महीने मे हमारी किस्मते नेक कर दे.

वास्ता है तेरे नाम का जो बडे से बडा, फुश आईन्द् और करामतवाला है. जिसे तुने दिन

पर मुतवज्जेह किया तो रोशन हो गया. और रात पर रज्जा तो वोह तारीक हो गई.

पस, बक्ष दे हमारे वोह गुनाह जिनको तु जानता है, हम नहीं जानते और हमे गुनाहो से बखूबी महेझूझ इरमा, हमारी किशायत कर जैसी तु कुदरते कामेला रज्जा है और अपने हुस्ने नजर से हम पर अहसान इरमा, हमे अपने गैरके हवाले न कर. अपनी पैरो बरकत हमसे न रोक और हमारी जो उमरे तुने लिख्खी है इनमे बरकते अता इरमा हमारी छुपी हुई बुराईयों को मिटा दे और हमे अपनी तरफ से पनाह अता कर दे. हमे बेहतरीन ध्यान रज्जने की तोड़ीक अता इरमा और हमे आनेवाले माहे रमजान और इसके बा'द के दिनो और सालों तक जिंदा रज्ज.

अय जलालतो बुर्रुगी के मालिक!

इ- शेजने रिवायत की है के नाहीया मुकदसा से शेज अबुल कासिम रज्जेव्लाहो



અન્હુ કે ઝરીએ સે રજબ કે દિનો મેં પઢને કે લિયે યહ દુઆ સાદિર હુઈ હૈ.

અલ્લાહુમ્મ ઈત્તી અસઅલોક બિલ  
 મવલૂદયને ફી રજબિમ મોહુંમદિબને  
 અંલીયયિસં સાંની વબનેહી અંલીયિબને  
 મોહુંમદિલ મુનતજબે વ અતકુંરબો  
 બે હેમા ઈલયક ખંયરલ કોરબે યા મન  
 ઈલયહિલ મઅરૂફો તોલેબ વ ફીમા  
 લદયહે રોગેબ અસઅલોક સોઆલ  
 મુકુંતરેફિમ મુઝનેબિન કુંદ અવબકુંતહૂ  
 ઝાંનૂબોહૂ વ અવસંકુંતહૂ ઓયૂબોહૂ ફ  
 તોલ અંલલ ખંતોયા દોઉબોહૂ વ મિનર  
 રઝાયા ખોતૂબોહૂ યસઅલોકત તવબત  
 વ હુંસનલ અવબતે વન નોઝુઅં અંનિલ

હુંવેબતે વ મિનનં નારે ફ કાક રકુંબતેહી  
 વલ અંફવ અંમ્મા ફી રિબંકુંતેહી ફ  
 અનંત મવલાય અઅંઝંમો અમલેહી વ  
 સેંકુંતેહી. અલ્લાહુમ્મ વ અસઅલોક બે  
 મસાએલેકશં શરીફતે વ વસાએલેકલ  
 મોનીફતે અનં તતગંમ્મદની ફી હાઝંશં  
 શહરે બે રહુંમતિનં મિનંક વાસેઅંતિનં  
 વ નેઅંમતિનં વાઝેઅંતિનં વ નફસિમ  
 બે મા રઝકુંતહા કાનેઅંતિનં ઈલા  
 નોઝૂલિલ હાંફેરતે વ મહુંલલિલ  
 આખેરતે વ મા હેય ઈલયહે સાંએરતુન.

અય મઅબૂદ! માહે રજબ મેં તવલ્લુદ  
 (પૈદા) હોનેવાલે દો મૌલૂદો કે વાસ્તો સે સવાલ  
 કરતા હું જો મોહમ્મદ બિન અલી સાની ઈમામ

मोहम्मद तकी (अ.स.) और उनके इरजंद अली  
 ईब्ने मोहम्मद (ईमाम अली नकी) (अ.स.)  
 बुलंद नसबवाले है उन दोनों के जरीअे तेरा  
 बहेतरीन तकईब याहता हुं अय वोह जात  
 जिससे अहसानो करम तलब किया जाता है, जो  
 उसके पास है उसकी ज्वाहिश की जाती है.

सवाल करता हुं तुजसे उस गुनेहगार जैसा  
 सवाल, जिसे गुनाहोने तबाह कर दिया, और  
 औबोने जकड लिया है, पस, गुनाहो पर उसकी  
 आदत पुष्ता हो चुकी और बलाओ से मुश्किले  
 बढ़ गई है. अब वोह सवाल करता है तुजसे  
 तौईके तौबा और बेहतरीन बाजगश्त का,  
 गुनाहों से किनारा कशी और आतिशे जहन्नम  
 से छुटकारे का ज्वाहिशमंद है. और अपने वोह  
 गुनाह जो उसके जिम्मे है उसकी माई मांगता  
 है, पस, तुही मेरा वोह मौला है जिसे बडी  
 उम्मीद और अेअतेमाद है.

अय मअबूद! सवाल करता हुं तुजसे ब

वास्ता तेरे पाक मआमलो और तेरे बुलंदतरीन वसीलो के, के एस महीने में अपनी वसीअ रहेमत और बक्षी जानेवाली नेअमतो से भरपुर इरमा दे. और जो रोजी तूने दी एस पर मेरे नइस को कानेअ इरमा ता वकती के वोह कअ्र में जाअे, मंजिले आबिर पर पछोंये और जिसकी तरइ उसकी बाजगशी है उस तक पछोंये.

शौअने हजरत एमामुल अस अलखिस्सलाम के नाएजे पास अबुल कासिम हुसैन बिन इह रजेयल्लाहो अन्हु से रिवायत की है के रज्ज के महीने में अएम्मा (अ.स.)से जिस एमाम की जरिह मुजारका पर जाअे तो एस में दाबिल होते वक्त यह हुआ पढे.

अल्लुंमदो विल्लाहिल लल्लौ अशुदना मशुद अवलेयाअेडी ई रज्जबि व अवज्ज अंलयना भिन उंकैउिम मा कुंद वज्ज व संल्लाहो

અંલા મોહંમદિ નિલ મુનંતજબે વ અંલા  
 અવસેયોએહિલ હોજોબે અલાહુમ્મ ફ  
 કમા અશહદતના મશહદહુમ ફ  
 અનજિઝ લના મવએદહુમ વ  
 અવરિદના મવરેદહુમ ગંયર મુહંલ્લઈન  
 અંન વિરદિન ફી દારિલ મુકામતે વલ  
 ખુંલદે વસ્સલામો અંલયકુમ ઈત્રી કંદ  
 કંસંદતોકુમ વઅંતમદતોકુમ બે  
 મસઅલતી વ હોજતી વ હેય ફકાકો  
 રકંબતી મિનન નારે વલ મકંરરો  
 મઅંકુમ ફી દારિલ કંરારે મઅં  
 શીઅંતેકોમુલ અબરારે વસ્સલામો  
 અંલયકુમ બે મા સંબરતુમ ફ નેઅંમ  
 ઉકંબદ દારે અના સાએલોકુમ વ

આમેલોકુમ ફી મા ઈલયકોમત તફવીઝો  
 વ અંલયકોમુત તઅંવીઝો ફ બેકુમ  
 યુજબરલ મહીઝો વ યુશફલ મરીઝો વ  
 મા તઝદાદુલ અરહામો વ મા તગીઝો  
 ઈશી બે સિરરેકુમ મુઅમેનુન વ લે  
 કંવલેકુમ મુસલ્લેમુન વ અંલ્લલાહે બે  
 કુમ મુકસેમુન ફી રજઈ બે હંવાએજી વ  
 કંઝાએહા વ ઈમઝાએહા વ ઈનજાહેહા  
 વ ઈબરાહેહા વ બે શોઊની લદયકુમ વ  
 સંલાહેહા વસ્સલામો અંલયકુમ સલામ  
 મુવદદેઈને વ લકુમ હંવાએજહૂ મૂદેઉને  
 યસઅલુલ્લાહ ઈલયકોમુલ મરજેઅં વ  
 સઅંયહૂ ઈલયકુમ ગંયરો મુનેકંતેઈને  
 વ અન યરજેઅંની મિન હંઝરતેકુમ

ખંચેર મરજેઈને ઈલા જનાબિને  
 મુમરેઈને વ ખંફઝે મુવસ્સઈને વ  
 દઅંતિને વ મહલિને ઈલા હીનિલ  
 અજલે વ ખંચેરે મસીરિને વ મહુંલલિને  
 ફિને નઈમિલ અઝલે વલ અંચેશિલ  
 મુકંતબલે વ દવામિલ ઓકોલે વ  
 શુરબિરે રહીકે વસ સલસલે વ અંલલિને  
 વ નહલિને લા સઅમ મિનેહો વ લા  
 મલલ વ રહુંમતુલ્લાહે વ બરકાતોહુ વ  
 તહીયાતોહૂ અંલયકુમ હંતલ અંવદે ઈલા  
 હુંઝરેતેકુમ વલ ફવઝે ફી કરરેતેકુમ વલ  
 હુંશરે ફી ઝુમરેતેકુમ વ રહુંમતુલ્લાહે વ  
 બરકાતોહૂ અંલયકુમ વ સંલવાતોહુ વ  
 તહીયાતોહૂ વ હોવ હુંસબોના વ નેઅંમલ

## वकील.

हुम्द जुदाही के लिये है, जिसने हमें रजभ में अपने औलियाकी जियारतगाओं पर हाजिर किया और उनका एक हम पर वाजिब किया जो होना चाहिये था. और रहेमते जुदा हो आली नसब मोहम्मद (स.अ.व.) पर और उनके अवलिया पर जो साहेबे हिजाब है.

अय मअबूद! पस, जैसे तूने हमें उनकी जियारत की तौफीक दी वैसे ही हमारे लिये उनका वअदा पूरा इरमा और हमें उनकी जअे वरुद पर वारिद इरमा बगैर किसी रोक टोक के जअे अेकामत और जुल्दे बरीं में पड़ोंया दे.

और सलाम हो आप पर के में आपकी तरफ़ आया और आप पर बरोसा किया अपने सवाल और हाजत के लिये और वोह यह है के मेरी गरदन आगसे आजाद हो और मेरा ठिकाना आपके साथ और आप के नेकूकार शीओ के साथ हो और सलाम हो आप पर के आपने सब्र किया.



पस, आपका क्या ही अख्ण अंजाम है. में आपका साँल और उम्मीदवार हुं उन यीजों के लिये जो आप के ईश्वर में है. और यह आपकी जिम्मेदारी है, आपके जरीअे शिकस्तगी की तलाई और बीमार को शिफा मिलती है. और रહેमोमे कमी या जियादती होती है. बेशक में आपकी कुव्वते बातनी का मोअतकिद और आपके कौल को तस्लीम करता हुं, मैं जुदा को आपकी कसम देता हुं के वोह मेरी छाजतों पर तवज्जो दे. उन्हे पूरा करे, इनको ईजरा करे. कामियाब करे और मुश्केलात को दूर करे. और जो काम में छाजते आपके सुपुर्द की है. इनमे बेहतरी करे. वोह जुदा से सवाल करता है के आपके हां वापस आये और उसका आपकी बारगाह में आना छूटने न पाये वोह याहता है के आपके हज़ुर से ज़ाये तो फिर आपकी जिदमतमें छाजरी दे तो यह जगह हमवार, सर सज़ और वसीअ हो चुकी हो के वोह यहाँ रहे

और उसका अंजाम बधैर हो हुंमेशाकी नेअमतें नसीब हों आईन्दा जिंदगी खुशगवार हो. वोह हुंमेशा बहेतरीन गिजाअें और पाक शराब मिले और आबे शीरीं और यह महीना बार बार आये, जिसमें न तंगी आये न रंज हो और खुदा की रहेमत, बरकते और दुइदो सलाम हो आप पर, जब तक में दूबारा हाजिरे बारगाह हुं आपकी रजअत में कामियाब रहुं इस में आपके गिरोह में उहुं और खुदा की रहेमत और बरकतें हो आप पर और उसकी नवाजिशे और सलामतियां और वोह हमारे लिये काई और बहेतरीन कारसाज है.

८-मोहम्मद बिन ऋकवान जो इस लिये सज्जाद के नाम से मअरूफ है के उन्होने एत्ने सिजदे किये और जोड़े खुदा में इस कदर रोये के नाबीना हो गये थे सैयद ताउिस ने एन्हीं मोहम्मद बिन ऋकवान से रिवायत की है के उन्होंने कहा : मैंने एमामे

जअइरे सादिक (अ.स.)की जिदमत में अर्ज किया के में आप पर कुरबान हो जाउ यह माहे रज्ज है, मुझे कोर दुआ तअलीम किजुअे के हक तआला एसके ऋरीअे मुझे इअेदअता इरमाअे आपने इरमाया के लिज्जो और रज्ज के महीने में हर रोज यह दुआ पढा करो.

बिसमिल्लाहिर रहुंमानिर रहीम.

या मन अरजूओ ले कुल्ले भंयरिव  
 व आमनु सभंतंछू ईनेद कुल्ले शररिन  
 या मन युअंतिले कसीर बिल कंलीले.  
 या भंय युअंतीं मन सअलछू, या मन  
 युअंतीं मल लम यसअलछू व मल लम  
 यअंरिईछू तहुंशोननं मिनडो व  
 रहुंमतनं अअंतेनीं जे मसअलती

ઈયાક જમીઅં ખંયરિદ દુનયા વ  
 જમીઅં ખંયરિલ આખેરતે વસંરિક  
 અંત્રી બે મસઅલતી ઈયાક જમીઅં  
 શરિદ દુનયા વ શરરિલ આખેરતે ફ  
 ઈત્તહૂ ગંયરો મનકૂસિને મા અઅંતંયત  
 વ ઝિદની મિને ફઝલેક યા કરીમ.

ખુદા કે નામસે (શરૂઅ) જો રહેમાન ઓર  
 રહીમ હૈ

અય વોહ જિસ સે હર ભલાઈ કી ઉમ્મીદ  
 રખતા હું ઓર હર બૂરાઈ કે વક્ત ઉસકે ગઝબસે  
 અમાનમેં હું. અય વોહ! જો થોડે અમલ પર  
 ઝિયાદા અજર દેતા હૈ, અય વોહ! જો હર સવાલ  
 કરનેવાલે કો દેતા હૈ. અય વોહ! જો ઉસે ભી  
 દેતા હૈ જો સવાલ નહીં કરતા ઓર ઉસે ભી દેતા  
 હૈ જો ઉસે નહીં પહેચાનતા ઉસ પર ભી રહેમો  
 કરમ કરતા હૈ. તો મુઝે ભી મેરે સવાલ પર દુનિયા

और आभेरत की तमाम भलाईयां और नेकीयां अता इरमा दे. और मेरी तलबगारी पर दुनिया और आभेरत की तमाम तकलीफें और मुश्किलें दूर करके मुझे महेझूँ इरमा दे, क्युं के तू ईतना अत करता है के इसमे कमी नही होती तो अय करीम मुज पर अपने इजल में ईजाइ इरमा.

रावी कहेता है के इसके जा'द एमाम (अ.स.)ने जाये हाथसे अपनी दाढी को मूठीमें ले लिया और अपनी दाये हाथकी शहादतकी उगली को हिलाते हुये निहायत गिरया और ञारी की हालत में यह हुआ पढी:

या जंल जलावे वल ईकरामे, या जंन नअंमाये वल जूदे, या जंल मन्ने वतँ तँवले उँररिभं शय्येती अँलनं नार.

अय साहेबे जलालतो बुजुर्गी! अय नेअमतो और बक्षिश के मालिक! अय साहेबे अेहसानो अता! मेरे सईद बालो को आग पर

હરામ ફરમા દે.

૯-હઝરત રસૂલે ખુદા (સ.અ.વ.)સે મરવી હૈ કે જો શખ્સ માહે રજબ મેં સો મરતબા કહે :

અસંતગંફે રૂલ્લાહ લૈઝી લા ઈલાહ ઈલ્લા હોવ વહુંદહૂ લા શરીક લહૂ વ અતૂબો ઈલયહ.

બક્ષિશ ચાહતા હું અલ્લાહ સે કે જિસકે સિવા કોઈ મઅબૂદ નહીં વોહ યગાના હૈ, ઉસકા કોઈ સાની નહીં ઔર મેં ઉસકે હઝૂર તોબા કરતા હું.

ઔર ઉસકે બા'દ સદકા દે તો હક તઆલા ઉસ પર અપની તમામ રહેમતો મગફેરત નાઝિલ કરેગા ઔર જો ઉસે ચારસો મરતબા પઢે તો ખુદા ઉસે સો શહીદો કા અજૂર દેગા.

૧૦-હઝરત રસૂલે ખુદા (સ.અ.વ.) સે

रिवायत हूँ है के माहे रज्ज में जो शप्स  
हजार मरतजा

लोँ ईलाह ईल्लाह

(नही कोई मअबूद सिवाअे अल्लाह के)  
कहे तो हक तआला उसके लिये अक  
लाख नेकीयां लिखे और जन्नतमें उसके लिये  
सो शहर बनाये.

११-रिवायत हूँ है, जो शप्स रज्ज  
के महीने में सुण्हो शाम ७० सतर मरतजा.

असंतगं ई इल्लाह व अतूबो  
ईलयह.

(भक्षिश याहता हुं अल्लाह से और उसीके  
उजूर तौबा करता हुं.)

पढे और फिर अपने हाथों को जुलंद  
कर के कहे:

अल्लाहुम्मगं ईर ली व तुब

**અંલય્ય.**

(અય મઅબૂદ! મૂઝે બક્ષ દે ઓર તૌબા કબૂલ કર લે.)

અગર વોહ શખ્સ ઈસી મહીને મેં મર જાએ તો હક તઆલા ઈસ માહ કી બરકત સે ઉસ પર રાઝી હોગા ઓર આતિશે જહન્નમ ઉસે ન છૂએગી.

૧૨- રજબ કે પુરે મહીને મેં હઝાર મરતબા પઢે :

અસંતગૈફેરુલ્લાહ ઝંલે જલાલે વલે  
ઈકેરામે મિને જમીઈઝં ઝંનૂબે વલે  
આસાંમ.

(બક્ષિશ ચાહતા હું ખુદા સે જો સાહેબે જલાલતો બુરુર્ગી હૈ. ઉસસે અપને તમામ ગુનાહો ઓર ખતાઓ પર માફીકા તાલિબ હું.)

તા કે હક તઆલા ઉસે બક્ષ દે.

૧૩- સૈયદને ઈકબાલ મેં હઝરત રસૂલ



(स.अ.व.)से नकल किया है के माहे रज्ज में सूरजे धज्जस को दस हजार मरतजा या हजार मरतजा या सो मरतजा पढने की जहोत जियादा इमीलत है. नीज यह रिवायत भी की है, के माहे रज्ज में जुम्हा के रोज जो शप्स सो मरतजा सूरजे धज्जस पढे तो क्यामत में उसके लिये अेक जास नूर होगा जो उसे जन्नत की तरफ ले जायेगा.

१४- सैयदने रिवायत नकल की है के जो शप्स माहे रज्ज में अेक दिन रोजा रज्जे और (दो - दो रकअत करके) चार रकअत नमाज अदा करे के जिसकी पहली रकअत में सूरजे हम्द के जा'द सो मरतजा आयतुल कुरसी और दुसरी रकअत सूरजे हम्द के जाद दो सो मरतजा कुल हो वल्लाह पढे तो वोह शप्स मरने से पेहले जन्नतमे अपना मकाम देज लेगा.

१५- सैयदने हजरत रसूले जुद।

(स.अ.व.)से यह रिवायत भी नकल की है  
 के जो शप्स रज्ज में जुम्हा के रोज नमाजे  
 ओहर और असर के दरमियान चार रकअत  
 नमाज पढे. जिसकी हर रकअत में अक  
 मरतबा सूरजे हम्द, सात मरतबा आयुतल  
 कुरसी और पांच मरतबा सूरजे तौहीद पढे  
 और नमाज के जा'द कहे:

असंतगं ई इल्लाहल लमीं ला  
 ईलाह ईल्ला होव व असअलोहुत  
 तवैबु.

(बक्षिश याहता हुं जुदासे जिसके सिवा  
 कोई मअबूद नही और उसीसे तौबा का सवाली  
 हुं.)

पस हक तआला एस नमाज के अदा  
 करने के दिन से उसकी मोत तक हर रोज  
 उसके लिये हजार नेकीयां लिप्पेगा. हर  
 आयात जो उसने नमाज में पढी है उसके

जदले में उसे जन्नत में याकूते सुर्ज का शहरे  
 र्णनायत करेगा. हर हर हर के अेवज सड़े  
 मोतीयों का महेल अता करेगा, हुइल र्ण से  
 उरकी तजवीज (शादी) करेगा. जुदाये तआला  
 उससे रागी और जुशनुद होगा. उसका नाम  
 र्णजादत गुजारो में लिखा जायेगा और जुदा  
 उसका जातेमा जक्षिश और नेकजषी पर  
 करेगा.

१६- रज्ज के महीने में तीन दिन  
 यअनी जुमेरात, जुम्हा और हरता को रोजा  
 रखे, क्योंकि रिवायत हूँ है के जो हराम  
 महीनो के उन दिनो में रोजा रखे तो हर  
 तआला उसको नवसो जरस की र्णजादत का  
 सवाज अता करेगा.

१७- पूरे माहे रज्जमे साठ रकअत  
 नमाज र्स तरह पढे के हर शज में दो रकअत  
 नमाज जज लाये जिसकी हर रकअत में  
 सूरे हम्द अेक मरतजा, सूरे काइइन

તીન મરતબા, ઔર સૂરએ કુલ હોવલ્લાહ એક મરતબા પટે.

સલામ કે બા'દ અપને હાથ ખુલંદ કર કે પટે :

લા ઈલાહ ઈલ્લાહો વહ્દહૂ લા શરીક લહૂ લહુલ મુલકો વ લહુલ હંમદો યહ્દી વ યોમીતો વ હોવ હંચુલ લા યમૂતો બે યદેહિલ ખંયરો વ હોવ અંલા કુલ્લે શયંઈન કંદીરૂં વ ઈલયહિલ મસીરો વ લા હંવલ વ લા કુંવત ઈલ્લા બિલ્લાહિલ અંલીયયિલ અંઝીમ. અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા મોહંમદિન નબીયયિલ ઉમ્મીયે વ આલેહી.

નહીં કોઈ મઅબૂદ! સિવાએ અલ્લાહ કે જો યક્તા હૈ, કોઈ ઉસકા શરીક નહીં, હુકૂમત

उसीकी और उम्ह उसी के लिये है. वोह जिंदा करता और मोत देता है. वोह जिंदा है, उसे मोत नहीं हर भलाई उसके हाथ मे है. और वोह हर चीज पर कुदरत रખता है, और आजगशत उसीकी तरफ है. नहीं कोई हरकतो कुव्वत मगर वोह जो बुलंदो बुजुर्ग भुदा से है. अय मअबूद! रહેमत इरमा नबीअे उम्मी मोहम्मद (स.अ.व.) पर और उनकी आल पर.

यह दुआ पढने के जा'द दोनों हाथ अपने मुंह पर ફेर ले.

हजरत रसूलुल्लाह (स.अ.व.) से रिवायत हुं है के जो शप्स यह अमल अंजाम दे, हक तआला उस की दुआ कबूल करेगा और उसे साठ हज और साठ उमरे का सवाब अता इरमाओगा.

१८- हजरत रसूलुल्लाह (स.अ.व.) से रिवायत की गइ है के जो शप्स रज्ज के महीने की अेक रात में दो रकअत नमाज

अदा करे के एस में सो मरतणा सूरजे कुलहोवलाह पढे तो वोह असा ही है के जैसे उसने हक तआला के लिये सो साल का रोजा रप्पा हो. पर, अल्लाह तआला उसको अहिश्त में जैसे सो महेलात र्नायत करेगा के जिनमें हर अक किसी न किसी नणीअे अरहक की हम साअेगी में वाकेअ होगा.

१८- हररत रसूलुल्लाह (स.अ.व.)से मरवी है के जो शप्स माहे रज्ज की अक रात में एस रकअत नमाज पढे के जिसकी हर रकअत मे सूरजे झतेहा व सूरजे काईरून अक अक मरतणा और सूरजे कुलहोवलाह तीन मरतणा पढे तो हक तआला उसका हर वोह गुनाह अक्ष देगा जो उसने किया हो.

२०- अल्लामा मजलिसी (रह.)ने आदुल मआदमें अक इरमाया है के हररत अमीरुल मोअमेनीन (अ.स.) से नकल किया गया है के हररत रसूलुल्लाह (स.अ.व.)ने इरमाया

હૈ કે જો શખ્સ રજબ, શઅખાન, ઔર  
રમઝાન કી હર રાત ઔર દિન મેં સૂરએ  
હમ્દ, આયતુલ કુરસી, સૂરએ કાફેરન, સૂરએ  
ઈખ્લાસ, સૂરએ ફલક ઔર સૂરએ નાસ તીન  
તીન મરતબા પઢે ઔર તીન મરતબા કહે

સુબ્હાઈનલ્લાહે વલે હુંમદો લિલ્લાહે  
વ લા ઈલાહ ઈલ્લલ્લાહો વલ્લાહો  
અકબર. વ લા હુંવલ વ લા કુંવ્વત ઈલ્લા  
બિલ્લાહિલે અંલીયયિલે અંઝીમ.

ખુદા પાક હૈ, ઔર હમ્દ ઉસી કે લિયે હૈ  
નહી કોઈ મઅબૂદ સિવાએ અલ્લાહ કે ઔર  
અલ્લાહ બુરુગવાર હૈ ઔર નહી કોઈ હરકતો  
કુવ્વત મગર વોહ જો બુલંદો બુરુગ ખુદા સે હૈ.

અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા  
મોહુંમદિવે વ આલે મોહુંમદે.

અય મઅબૂદ! રહેમત નાઝિલ ફરમા

मोहम्मद (स.अ.व.) और आले मोहम्मद (अ.मु.स.) पर.

अल्लाहुम्मगॉंकिरं लिर् मुअमेनीन

वर् मुअमेनात.

अय मअबूद! मोअमिन मर्दों और मोअमेना औरतों को बक्ष दे.

असंतगॉंके रूद्लाउ व अतूओ  
ईलर्येउ.

बक्षिश याहता हुं जुदा से और उसीकी तरफ़ पलटता हुं.

पस जुदाओ तआला उसके गुनाह बक्ष देगा, चाहे वोह जादिश के कतरो, दरफ़ो के पतो और दरियाओं की झाग जितने भी हो. नीज अल्लामा मजलिसी इरमाते है के ईस महीने मे हर राते में हज़ार मरतबा:

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ



(नही कोई मअबूद सिवाअे अल्लाह के)  
भी वारिद हुवा है.

वाजेह हो के सैयदने ईकजाल में और  
अल्लामा हिल्लीने ईजाजअे जनी जेहरा में  
इरमाया है के माहे रज्ज की पहेली शजे  
जुम्हा को लयलतुर्र रगाअेज (रगाजतोवाली  
रात) कहा जाता है ईस शज के लिये हररत  
रसूलुल्लाह (स.अ.व.)से अेक नमाज नकल  
हुई है के जिसके इजाईल जहोत मियादा है.  
ईन में से अेक यह है के ईस नमाज की  
जरकत से कसीर गुनाह माइ हो जाअेगे  
और कज्जकी पहेली रात यह नमाज ज हुकमे  
जुदा जूजसुरत जदन, जंदा येहरा, और  
साइो शीरीं जजान के साथ आ कर कहेगी  
अय मेरे हजीज जुशजजरी हो तुजे के तुने  
हर तगीओ सफ़ी से नजात पा ली है. वोह  
शप्स पूछेगा तू कोन है के में ने तूजसा  
जूजसुरत, शीरीं कलाम और जूशजूवाला कोई

नही देजा? वोह जवाण देगी, में तेरी वोह नमाज और उसका सवाण हुं जो तूने इलां रात, इलां माह और इलां साल में पढी थी. आज में तेरे हक की अदायेगी के लिये हाजिर हुं और इस वहेशतो तन्हाए में तेरी हमदमो गमजार हुं. कल रोजे कयामत जण सूर झूंक जायेगा तो उस वक्त में तेरे सर पर साया कइंगी पस, जुशो जुर्म रहे के जैरो नेकी कभी तुज से दूर नही होगी.

इस जा जरकत नमाज की तरकीब यह है के माहे रज्ज की पहली जुमरोत को रोजा रज्जे और शजे जुम्हा में मगरिब और इशा के दरमियान जारा रकअत नमाज दो दो रकअत करके पढे के हर रकअत में सूरये हमद के जा'द तीन मरतजा सूरये इन्ना अज्जलना और जारा मरतजा सूरये कुल होवलाह पढे, नमाज से झरिग होकर सतर मरतजा कहे :

અહલાહુમ્મ સુંદલે અંલા  
મોહુંમદિનં નબીયયિલ ઉમ્મીયે વ અંલા  
આલેહી.

(અય મઅબૂદ! રહેમત નાઝિલ ફરમા  
નબીએ ઉમ્મી મોહમ્મદ (સ.અ.વ.) પર ઔર  
ઉન્કી આલ પર.)

ફિર સિજદે મેં જા કર સતર મરતબા  
કહે :

સુબ્બૂહુંનં કુંદદૂસુનં રબ્બુલ  
મલ્લોએકતે વરરૂહે.

બે ઐબ પાક તર હૈ વોહ જો ફરિશ્તો ઔર  
રૂહ કા રબ હૈ.

સિજદે સે સર ઉઠા કર સતર મરતબા  
કહે :

રબ્બિગૌફિરં વરહુંમં વ તજાવઝં  
અંમ્મા તઅંલમો ઈશક અનંતલં

## अंलीयुल अअंम.

पालनेवाले बक्ष दे, रहेम इरमा और दर गुजर कर उन गुनाहो से जिनको तु जानता है. बेशक तु बुलंदतर बुजुर्गतरे है.

इर सिजदे में जाये और सतर मरतजा कहे :

सुब्बुलून कुंद्दूसुन रब्बुल  
मलाअेकते वररुहे.

बे अब पाक तर है वोह जो इरिशतो और रुह का रब है.

ईसके जा'द अपनी हाजत तलज करे के जो हाजत भी तलज करेगा. ईन्शाअल्लाह तआला वोह पूरी होगी.

याद रहे के माहे रज्ज में ईमाम अली रजा (अ.स.)की मियारत को जाना मुस्तहज है, जैसा के ईस माह में उमरा अदा करने की भी मियादा इमीलत है और उमरा की इमीलत

हज के करीब है. रिवायत हूँ है के ईमाम  
 मुँनुल आबेदीन (अ.स.) माहे रज्ज में उमरा  
 अदा इरमाते, दिन और रात हरमे काजा में  
 नमाज पढते, शबो रोज सिजदे में पडे रहेते  
 और यह कलमात अदा इरमाते.

अँउँमँउँ उँमँबो मिनँ अँबँटेक  
 इलँ यँसँनिलँ अँइँवो मिनँ ईँनँटेक.

तेरे बँदे का गुनाह बहोत बडा है पस,  
 तेरी तरफ से हर गुजरनी भूब डोनी याहिये.

**माहे रज्ज में दिन और रात के**

**मजूस आ'माल**

**रज्ज की पहली रात**

१- रज्ज माहे रज्ज का नया चाँद  
 (हिलाल) देखे तो यह दुआ पढे :

अल्लाहुम्म अहिल्लहूँ अँलयना  
 बिलँ अमने वलँ ईमाने वस्सलामते वलँ

ઈસલામે રબ્બી વ રબ્બોકલ્લાહો અંઝલ  
વ જલ્લ.

અય મઅબૂદ! નયા ચાંદ હમ પર તુલૂઅ  
કર અમ્ન, ઈમાન, સલામતી ઔર ઈસ્લામ કે  
સાથ (અય ચાંદ) તેરા ઔર મેરા રબ વોહ  
અલ્લાહ હૈ ઈઝઝતો જલાલવાલા.

નીઝ હઝરત રસૂલે ખુદા (સ.અ.વ.) સે  
મન્કૂલ હૈ કે હિલાલે રજબ દેખતે વક્ત યહ  
દુઆ પઢે :

અલ્લાહુમ્મ બારિક લના ફી  
રજબિન વ શઅંબાન વ બલ્દિગંના  
શહર રમઝાન વ અઈન્ના અંલસૈસિયામે  
વલ કિયામે વ હિફ્ઝિલ્લિસાને વ  
ગંઝિલ્લિ બસૈરે વલા તજઅલ્ હંઝાના  
મિનહુલ જૂઅં વલ અંતશ.

अय मअबूद! रज्ज और शाबान में हम पर बरकत नाजिल इमा और हमे रमजान के महीने में दाखिल इरमा और हमारी मदद कर, दिन के रोजे, रात को कयाम, ज्जान को रोकने और निगाहे नीची रखने में और इस महीने में हमारा हिस्सा महज तूष् प्यास ही करार न दे.

२-रज्ज की पहली रात में गुसल करे. जैसा के जाज ओलमाने इरमाया है के हररत रसुलिल्लाह (स.अ.व.) का इरमान है के जो शप्स माहे रज्ज को पाये और उसके अव्वल, वक्त और आफिरे वक्त गुसल करे तो वोह गुनाहो से इस तरह पाक हो जायेगा जैसे आज ही शिकमे माहरसे बाहिर आया हो.

३- इमाम हुसैन (अ.स.) की जियारत करे.

४- नमाजे मगरिज के जा'द जीस रकअत नमाज हो हो रकअत करके पढे के

હર રકઅત મેં સૂરએ હમ્દ કે સાથ સૂરએ તૌહીદ કી તિલાવત કરે તો વોહ ખુદ, ઉસકે અહેલો અયાલ ઔર ઉસકા માલ મહેફૂઝ રહેગા. નીઝ અઝાબે કબ્ર સે ખચ જાએગા ઔર પુલે સિરાત સે બર્ક રફતારી કે સાથે ગુઝર જાએગા.

૫- નમાઝે ઈશા કે બા'દ દો રકઅત નમાઝ પઢે, પહેલી રકઅત મેં સૂરએ હમ્દ એક મરતબા સૂરએ અલમ નશ્રહ ઔર તીન મરતબા સૂરએ તૌહીદ, દૂસરી રકઅત મેં સૂરએ હમ્દ, સૂરએ અલમ નશ્ર, સૂરએ ફુલ હોવલ્લાહ, ઔર સૂરએ ફલક ઔર સૂરએ નાસ પઢે. નમાઝ કા સલામ દેને કે બા'દ તીસ મરતબા કહે :

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ

ઔર તીસ મરતબા

દુરૂદ શરીફ પઢે.

તો વોહ શખ્સ ગુનાહો સે ઈસ તરહ



पाक हो जायेगा, जैसे आज ही पैदा हुआ हो.

६- तीस रकअत नमाज पढे : हर रकअत में सूरजे हम्द के जा'द अेक मरतजा सूरजे काईरुन और तीन मरतजा सूरजे र्ज्जलास पढे.

७- रज्ज की पहली रात के जारे में शेजने मिरुाहे मुतहज्जद में नकल किया है के अजुल जमतरी वहज षिन वहजने र्ज्जामे जअइरे सादिक (अ.स.) से, आपने अपने वालिदे माजिदसे और अपने जद हजरत अभीरुल मोअमेनीन र्ज्जाम अली (अ.स.)से रिवायत करते है के आपने इरुमाया : मुजे जुशी महेसूस होती के, र्ज्जसान पुरे साल के दौरान र्ज्जन चार रातों में जुद को तमाम कामों से इरिग करके जेदार रहे और जुद की र्ज्जआदत करे, वोह चार राते यह है : (१) रज्ज की पहली शज (२) शजजानकी

પંદરવીં શબ (૩) શબે ઈદુલ ફિત્ર (૪) શબે ઈદે ફુરખાન. અબૂ જઅફર સાની ઈમામ તકી તકીએ જવાદ (અ.સ.)સે રિવાયત કી ગઈ હૈ કે રજબ કી પહેલી રાત મેં નમાઝે ઈશા કે બા'દ યહ દુઆ પઢના મુસ્તહબ હૈ :

અલ્લાહુમ્મ ઈન્ની અસંઅલોક બે અન્નક મલેકુંવ વ અન્નક અંલા કુલ્લે શયંઈમ મુકંતદેરુંવ વ અન્નક મા તશાઓ મિનં અમરિનં યકૂનો. અલ્લાહુમ્મ ઈન્ની અતવજ્જહો ઈલયંક બે નબીય્યેક મોહુંમદિનં નબીયંયિરં રહુંમતે સંલલલાહો અંલયહે વ આલેહી યા મોહુંમદો યા રસૂલલ્લાહે ઈન્ની અતવજ્જહો બેક ઈલલ્લાહે રબ્બેક વ રબ્બી લે યુનંજેહું બેક તંલેબતી.

अल्लाहुम बे नबीय्येक मोहंम्मदिन वल  
अहम्मते मिन अहले बयतेही  
संलललाहु अंलयहे व अंलयहिम  
अनजेहं तंलेबती.

अय मअबूद! में तुजसे मांगता हुं के तु  
बादशाह है और बेशक तु हर चीज पर हकतेदार  
रखता है. नीज तु जो कुछ भी चाहे वोह हो  
जाता है.

अय मअबूद में तेरे हजूर आया हुं, तेरे  
नबी मोहम्मद (स.अ.व.) के जरीअे, जो नबीअे  
रहेमत है, जुदा की रहेमत हो उन पर और  
उनकी आल पर.

या मोहम्मद (स.अ.व.)! अय जुदा के  
रसूल, में आप के वास्ते से जुदा के हजूर आया  
हुं. जो आपका और मेरा रब है, ताके, आपकी  
जातिर वोह मेरी हाजत पूरी इरमाअे.

अय मअबूद! ब वास्ता अपने नबी

मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी अहलेबयत में से अईम्मा का के आं हजरत (स.अ.व.) पर और उन सब हजरत पर जुदा की रहेमत हो, और मेरी हाजत पूरी इरमा.

अली जिन हदीदने रिवायत की है के इमाम मूसा काज़िम (अ.स.) नमाज़े तहज्जुद से इरिग होने के बाद सिबदे में जाकर यह दुआ पढते थे.

लकल महुँमदतो ईन अतंअंतोक  
 व लकल हुँज्जतो ईन अंसंयंतोक ला  
 सुँनंअं ली व ला ले गंयरी ई अहुँसानिन  
 ईल्ला बेक या काअेनो कंबल कुल्ले  
 शयईन व या मुकव्वेन कुल्ले शयईन  
 ईशक अंला कुल्ले शयईन कंदीर.  
 अल्लाहुम्म ईन्नी अउँऊँ बेक मिनल  
 अंदीलते ईनंदल भवते व मिन शररिल

મરજેએ ફિલ કુંબૂરે વ મિનનં નદામતે  
 યવમલ અઝેફતે ફ અસઅલોક અનં  
 તોસંલ્લેય અંલા મોહુંમ્મદિનં વ આલે  
 મોહુંમ્મદિનં વ અનં તજેઅંલ અંયેશી  
 ઈશતનં નકીંયતનં વ મયંતની મયંતતનં  
 સવીયતનં વ મુનંકંલબી મુનંકંલબનં  
 કરીમનં ગંયેર મુખાંઝિનં વ લા ફાઝેહિનં.  
 અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા મોહુંમ્મદિનં વ  
 આલેહિલ અઈમ્મતે યનાબીઈલ  
 હિંકમતે વ ઉલીનં નેઅંમતે વ  
 મઆંદેનિલ ઈસંમતે વઅંસિંમની બેહિમ  
 મિનં કુલ્લે સૂઈનં વ લા તઅખુંઝની અંલા  
 ગિરેરતીન વ લા અંલા ગંફલતિનં વ લા  
 તજેઅંલ અંવાકેબ અઅમાલી હંસેરતનં

વરેઝં અંશી ફ ઈશ મગંફેરતક  
 લિઝંઝાલેમીન વ અના મિનઝં  
 ઝાલેમીન. અલ્લાહુમ મગંફિર લી મા  
 લા યઝુંરેરોક વ અઅંતેની માલા  
 યનેકોસોક ફ ઈશકલ વસીઓ  
 રહંમતોહુલ બદીઓ હિકમતોહૂ વ  
 અઅંતેનિસ સઅંત વદદઅંત વલ અમન  
 વસે સેહંહંત વને બુખૂઅં વલ કુંનૂઅં વશ  
 શુકર વલ મુંઆફાત વત તકવા વસે  
 સંબર વસે સિદકે અંલયક વ અંલો  
 અવલેયાએક વલ યુસર વશ શુકર  
 વઅંમુમ બે ઝાલેક યા રબ્બે અહલી વ  
 વલદી વ ઈખવાની ફીક વ મને  
 અહંબબતો વ અહંબબની વ વલદતો વ

वलदनी मिनल मुसलेमीन वल  
मुअमेनीन या रब्बल आँलमीन.

हम तेरे ही लिये है, अगर में तेरी  
ईताअत करूं और हक तु ही है अगर में तेरी  
नाइरमानी करूं, न में नेकी कर सकता हूं, न कोई  
और नेकी कर सकता है, सिवाय तेरे वसीले के  
अय वोह! के हर चीजसे पहले मौजूद था और  
तूने हर चीज को पैदा किया, बेशक तु हर चीज  
पर कुदरत रभता है.

अय मअबूद! में तेरी पनाह लेता हूं मोत  
के वक्त हक से इर जाने से, और कभ्र में जाने  
पर होनेवाले अजाब से और क्यामत के दिन की  
शरमिंदगी से तेरी पनाह लेता हूं पस, सवाल  
करतां हूं तुजसे के रहेमत नाजिल इरमा मोहम्मद  
(स.अ.व.) पर और यह के मेरी जिंदगी को  
पाक जिंदगी और मेरी मोत को ईज्जत की मोत  
करार दे और मेरी बाजगशत को आबरुमंद बनादे

के जिसमें जिल्लतो इस्वाँ न हो.

अय मअबूद! रहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आलमे अईम्मा पर जो हिकमत के यश्मे, साहेबाने नेअमत और पाक बाजी की काने है उनके वास्ते से मुझे हर बूराई से महेकूँ इरमा, बे खबरी में अयानक और गइलत में मेरी गिरइत न कर. न मेरे आ'माल का अंजाम हसरत पर कर और मुझसे राजी हो जा, के यकीनन तेरी बक्षिश जालिमो के लिये है और में जालिमो से हुं.

अय मअबूद! मुझे बक्ष दे जिसका तुझे जरूर नही और अता कर दे जिसका तुझे नुकसान नही क्युं के तेरी रहेमत वसीअ और हिकमत अज्जब है. और मुझे अता इरमा वुसअतो आसाईश, अमन और तंदुरस्ती, आजेजी और कनाअत, शुक्र और माई, सभ्र और परहेजगारी और तु मुझे अपनी और अपने अवलियासे मुतअल्लिक सय बोलने की तौईक दे. और आसूदगी और



शुक्र अता इरमा.

और पालनेवाले इन चीजों को आम इरमा. मेरे रिश्तेदारों मेरी औलाद, मेरे दीनी भाईओ के लिये, और जिससे में मछोब्बत करता हुं और जो मुझसे मछोब्बत करते है और जो मेरी औलाद है और जिसकी में औलाद हुं और तमाम मुसलमानों और मोअमीनों के लिये, अय आलमीन के परवरदिगार!

इप्ने असीम का कहेना है के मज्कूर अे जाला दुआ नमाजे तहज्जुद की आठ रकअत के जा'द पढे, फिर दो रकअत नमाजे शिफा और अेक रकअत वित्र और सलाम के जा'द जेठे जेठे यह दुआ पढे.

अल्लुंमदो विल्लखिल्ल लर्जीं वा तनईदो भंज्जोअेनोडू व वा यभ्ज्जो आमेनोडू रब्बे इनिरेतलकब्बतुल्ल मअंसेय इ जंलेक सैकतुन मित्री जे

કરમેક ઈસક તકેબલુત તવેબત અંને  
 એબાદેક વ તઅંફો અંને સય્યેઆતેહિમ  
 વ તગેફેરુઝે ઝલલ વ ઈન્નક મુજબો લે  
 દાઈક વ મિનેહૂ કંરીબુને વ અના  
 તાએબુને ઈલયક મિનલે ખંતાયા વ  
 રાગેબુને ઈલયક ફી તવેફીરે હુંઝેઝી  
 મિનલે અંતાયા યા ખાંલેકેલે બરાયા યા  
 મુનેકેઝી મિને કુલ્લે શદીદતિને યા મુજરી  
 મિને કુલ્લે મહુંઝૂરિને વફફિરે અંલયસ  
 સુરર વકેફેની શરર અંવાકેબિલે ઉમૂરે  
 ફ અનંતલ્લાહો અંલા નઅંમાએક વ  
 જઝીલે અંતાએક મશકૂરને વ લે કુલ્લે  
 ખંયરિને મઝંખૂરને.

હમ્દ ઉસ ખુદા કે લિયે હૈ, જિસકે ખઝાને

भ्रम नही होते, और उसे भोड़ नही, जिसे  
 वोह अमान दे. मेरे परवरद्विगार अगर में ने  
 नाइरमानीयां की है, तो इस वास्ते के मुझे तेरे  
 करम पर भरोसा था, क्युं के, तु अपने बंदो की  
 तोभा कबूल इरमाता है. उनकी बुराईयों से दर  
 गुजर करता है. और भताओं भाई करता है तु  
 पुकारनेवाले का जवाब देता है. और तु उससे  
 करीब होता है, और में तेरे छुट्टर अपने गुनाहो  
 से तोभा कर रहा हूं और तुझसे तेरी अताओ में  
 अपने हिस्से में इरावानी याहता हूं अय  
 मप्लूकात के पैदा करनेवाले! अय मुझे हर मुश्किल  
 से निकालने वाले! अय मुझे हर बदीसे  
 बयानेवाले! मुझ पर मसरत की इरावानी इरमा,  
 मुझे सब मआमलो के बूरे अंजाम से महेकूज  
 रभ के तु ही वोह भुदा है के कसीर नेअमतों  
 और अताओं पर जिसका शुक्र किया जाता है.  
 और हर भलाई तेरे भजाने में है.

याद रहे के ओलमाओ किरामने रज्ज

की हर रात के लिये अेक मप्सुस नमाज मिऊ  
 इरुमाई है. लेकिन मुफसर किताब में ईनके  
 अयान करने की गुंजईश नहीं है.

## माहे रज्ज की पहेली का दिन

यह अडी अरुमतवाला दिन है. और  
 ईसमे चंई अेक अामाल है :

१-रोगा रणना रिवायत है के हररत  
 नूह (अ.स.) ईस दिन इशती पर सवार  
 हुअे और आपने अपने हरराहीअो को रोगा  
 रणने का हुकम दिया पर, जो शप्स ईस दिन  
 को रोगा रण्णे तो जहन्नम की आग उससे  
 अेक साल की मसाइत के अराअर दूर रहेगी.

२- ईस रोग गुस्ल करे.

३- ईमाम हुसैन (अ.स.) की मिथारत  
 करे, जैसा के शेअने अशरी दुहहान से और  
 उन्होने ईमामे जअइर (अ.स.) से रिवायत  
 की है. के इरुमाया पहेली रज्ज के दिन ईमाम  
 हुसैन (अ.स.) की मिथारत करनेवाले को

जुदा अे तआला यकीनन जक्ष देगा.

४- वोह तूलानी दुआ पढे जो सैयदने  
ईकजाल में नकल की है.

५- नमाजे हररते सलमान जो दस  
रकअत है, दो दो कर के पढे के हर रकअत  
में सूरअे हम्द के बाद तीन मरतजा सूरअे  
तौहीद, और तीन मरतजा सूरअे काइरेन  
की तिलावत करे, नमाज का सलाम दे ने के  
बाद हाथो को जुलंद करे और कहे :

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ  
لَهُ الْخَلْقُ وَالْحَيَاةُ وَالْمَوْتُ لَا يَأْتِيهِ  
الْفَتْرُ وَلَا يَأْتِيهِ الْمَوْتُ لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ  
لَهُ الْإِسْمَاءُ الْغُسْوِيُّهُ الْأَكْبَرُ وَهُوَ  
الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ

नही है कोई मअजूद सिवाअे अल्लाह के  
जो यगाना है. उसका कोई शरीक नहीं हकूमत  
उसकी और हम्द उसीकी है. वोह जिंदा करता

और मोत देता है. वोह ऐसा जिंदा है जिसे मोत नहीं भलाई उसी के पास है और वोह हर चीज पर कुदरत रखता है.

अह्लाहुम्म ला मानेअँ ले मा  
अअँतँयँत व ला मुअँतँयँ ले मा मनअँत  
व ला यनँइओँ जँलँ जँदँदे मिनँकलँ  
जँदँदँ.

अय मअबूद! जो कुछ तु दे उसे कोई रोकनेवाला नहीं और जो कुछ तु रोके वोह कोई दे नहीं सकता और नफ़ा नहीं देता किसीका बप्ट सिवाये तेरी ही हूँ प्रभु बप्टी के.

घसके जाद हाथों को मुँह पर डेर ले पंदरह रज्ज के दिन भी येही नमाज बना लाये, लेकिन जाद में हुआ पढते हुये अला कुल्ले शयघन कदीर के जा'द यह कहे :

ईलाहँवँ वाहँदँनँ अहँदँनँ इरँदँनँ

संभदले लभे यत्तभिज्जं सांहेभतंवे वला  
वलदा.

(वोह मअभूह, यगाना, तन्हा, बे नियाज  
है न उसने कोह जवजा की न उसकी कोह औलाह  
है.)

नीज रज्ज के आभरी दिन भी येही  
नमाज अदा करे और दुआ पढते हुअे अला  
कुले शयर्घन कदीर के भाह यह कहे:

व संद्लाहलो अंला मोहंभदिवे व  
आलेहितं तांहेरीन व ला हुंवेव वला  
कुंवत हंला भिल्लाहिले अंलीययिले  
अंजीम.

और भुदा की रहेमत को हजरत मोहम्मद  
(स.अ.व.) और उनकी पाकिआ आल पर और  
नही है कोह हरेकतो कुवत मगर वोह जो बुलंदो  
भुजुर्ग भुदा से है.

झर अपने हाथो हो मुंह पर झरे और अपनी हाजते तलज करे. इस नमाज के इवाइदो जरक़ात जहोत मियादा है, इस लिये इससे गरुलत न जरती जाये.

वाग़ेह हो के पेहली रज्ज के दिन हररत सलमान की अेक और नमाज भी मन्कूल है जो इस रक़अत है और दो दो रक़अत करके पढी जाती है, हर रक़अत में सूरअे हम्द के बाद तीन भरतजा सूरअे तौहीद पढे इस नमाज की जहोत सारी इम्तीलत है. जिनमेंसे सज से कमतर इम्तीलत यह है के जो शप्स यह नमाज जजा लाये उसके गुनाह जद्व दीये जायेंगे वोह कोट, जुग़ाम और न्युमोनियासे महेङ्गू रहेगा. और अज़ाजे कुब्र और क़्यामत की सफ़ीयों से जया रहेगा. सैयदने भी इस दिन की लिये चार रक़अत नमाज नक़ल की है पस वोह नमाज अदा करने की ज़वाहिश रज्जनेवाले उनकी क़िताज



ईकाल की तरफ रज्ज करे अक कौल के मुताबिक हि.स. ५७में ईसी रोज ईमाम मोहम्मद जाकीर (अ.स.) की विलादते जा सआदत हुई. लेकिन मोअल्लिफ़ का भियाल है के आपकी विलादत ३, सफ़र कोई हुई है. ईसी तरह अक कौल है के दो रज्ज हि.स. २१२ में ईमाम अली नकी (अ.स.) की विलादत और ३, रज्ज हि.स. २५४ में आपकी शहादत वाक़ेअ हुई नीज ईप्ने अय्यास के जकोल १०, रज्ज ईमामे मोहम्मद तकी (अ.स.) की विलादत का दिन है.

### माहे रज्ज की तेरवीं की रात

माहे रज्ज, शाबान और रमज़ान की तेरहवी शब में दो रकअत नमाज़ मुस्तहब है, हर रकअत में सूरअे हम्द के बाद सूरअे यासीन, सूरअे मुल्क और सूरअे तौहीद पढे. चौदवी शबमें चार रकअत नमाज़ दो दो करके ईस तरह पढे और पंद्रवी शब में छे रकअत

नमाज दो दो करके इसी तरहसे पढे. हमामे  
 जअहर सादिक (अ.स.) का हरशाद है के  
 इस तरीके ये तीन नमाजें जजलानेवाला इन  
 तीन महीनों की तमाम झीलतें हासिल करेगा  
 और सिवाये शिर्क के उसके सब ही गुनाह  
 माफ हो जायेंगे.

### माहे रज्ज की तेरवीं का दिन

यह अर्यामें भीज का पहला दिन है,  
 इस दिन और इस के बाद के दो दिनो में  
 रोजा रपने का जहोत मियादा अजर और  
 सवाज है, अगर कोर शप्स अमले उम्मे  
 दाउद जज लाना चाहता है तो उसके लिये  
 तेरा रज्ज का रोजा रपना जरूरी है.  
 जिनाजर मशहूर आम्मुल झील के तीस साल  
 जा'द इसी रोज का'जये मोअज्जमा में  
 अभीरल मोअमेनीन (अ.स.)की विलादते  
 जासआदत हुष थी.

## माहे रज्ज की पंढरवीं का रात

यह जडी जा जरकतो जा शररुत रात है और इस में चंद अेक आ'माल है :

१- गुस्ल करे.

२- र्णभादत के लिये शज्ज जेदारी करे, जैसा के अल्लामा मजलिसी रहे.ने इरमाया है.

३- र्णमामे हुसैन (अ.स.) की श्रियारत करे.

४- छे रकअत नमाज्ज जज्ज लाजे, श्रिसका श्रिक तेरहवीं शज्ज में हुवा है.

५- तीस रकअत हर रकअत मे सूरजे हम्द के जाद दस मरतजा तौहीद पढे सैयदने हररत रसुले जुदा (स.अ.व.) र्णसको जेहद इमीलत के साथ नकल किया है.

६- तीस रकअत नमाज्ज श्रिसकी हर रकअत में सूरजे हम्द, सूरजे तौहीद, सूरजे इलक, सूरजे नास, आयतुल इरसी और

सूरजे कद्र चार चार भरतणा पढे और नमाज  
का सलाम देने के बाद चार भरतणा कहे:

अल्लाहो अल्लाहो रब्बी ला  
उशरेको बेडी शर्यअंव व ला अत्तर्भेऊं  
मिर्न दूनेडी वलीय्या

(जुदा, वोह जुदा जो मेरा परवरदिगार  
है मैं किसीको उसका शरीक नहीं जनाता और  
न उसके सिवा किसीको अपना सरपरस्त  
जनाता हूँ.)

इसके बाद जो शिक्र और हुआ पढना  
चाहे पढे. नमाज का यह तरीका सैयदने इमाम  
जअफर सादिक (अ.स.)से नकल किया है.  
लेकिन शोपने मिरणाह में दाउद जिन सरहान  
के ऋीजे इमाम जअफर सादिक (अ.स.) से  
इस नमाज का अेक और तरीका रिवायत  
किया है के पंदरह रज्ज की शज में जारा  
रकअत नमाज पढे, हर रकअत में सूरजे

હમ્દ કે બા'દ કોઈ ઓર સૂરા પઢે ઓર નમાઝ  
કા સલામ દેને કે બાદ સૂરએ હમ્દ, સૂરએ  
ફલક, સૂરએ નાસ, સૂરએ તૌહીદ ઓર  
આયતુલ ફુરસી ચાર ચાર મરતબા પઢે ઓર  
ફિર કહે :

સુબ્હાંનલ્લાહે વલ્ હુંમદો લિલ્લાહે  
વ લા ઈલાહ ઈલ્લલ્લાહો વલ્લાહો  
અકબર.

(ખુદા પાક હૈ ઓર હમ્દ ખુદાહી કે લિયે હૈ  
ઓર નહીં કોઈ મઅબૂદ સિવાએ અલ્લાહ કે ઓર  
અલ્લાહ બુઝુર્ગ તર હૈ.)

બાદ ઈસકે ચાર મરતબા કહે :

અલ્લાહો અલ્લાહો રબ્બી લા  
ઉશરે કો બેહી શયઅવ વ મા શા  
અલ્લાહો લા ફુવ્વત ઈલ્લા બિલ્લાહિલ્  
અંલીયયિલ્ અંઝીમ.

(जुदा वोड जुदा जो मेरा परवरद्विगार है में किसीको उसका शरीक नही बनाता वोही लोग जो अल्लाह याहे. नही कोई कुव्वत मगर वोड जो बुलंदो बुरुर्ग जुदा से है.)

नीज सताईस रज्ज की शज में भी यह नमाज जज लाये.

### माहे रज्ज की पंदरवी का दिन

यह जडाही मुजारक दिन है और ईस में चंद अेक आ'माल है.

१- गुसल करे.

२- ईमाम हुसैन (अ.स.) की जियारत करे, ईप्ने अजी नसर से रिवायत है के में ने ईमाम अली रज्ज (अ.स.) से अर्ज किया के में किस महीने में ईमाम हुसैन (अ.स.) की जियारत करूं? आपने इरमाया, के पंदरह रज्ज और पंदरह शाजान को यह जियारत किया करे.

३- नमाजे सलमान जज लाये के जिसका

ઝિક્ક રજબ કી પહેલી શબ કે આ'માલ પર હુવા હૈ.

૪- ચાર રકઅત નમાઝ દો દો કરકે પઢે ઓર નમાઝ કા સલામ દેને કે બાદ હાથ ફૈલા કર કહે:

અલ્લાહુમ્મ યા મોઝિલ્લ કુલ્લે જબ્બારિવ વ યા મુઈઝ્ઝલ્ મુઅમેનીન અનૈત કહ્ફી હીન તુઅંયીનીલ મઝાહેબો વ અનૈત બારેઓ ખંલકીં રહ્મતમ બી વ કંદે કુનૈત અંન ખંલકીં ગંનીયંવ વ લવ લા રહ્મતોક લ કુનૈતો મિનલ હાલેકીન વ અનૈત મુઅય્યેદી બિન નસરૈ અંલા અઅંદાઈ વ લવ લા નસરૈોક ઈય્યાય લ કુનૈતો મિનલ મફ્ઝૂહીન યા મુરસેલર રહ્મતે મિન મઆંદેનેહા વ

मुनशेअलं बरकते मिनं भवाळेंअंछा या  
 मनं भंरंरं नईसळू बिशं शोभूर्भे वरं  
 रिईअंते इ अवलेयाओळू बे ईळंळेडी  
 यतअंळंळून व या मनं वळंअंते लळुलं  
 मुळूको नीरलं मळंलते अंला  
 अअंनाकेळिभं इळुभं मिनं सतंवातेडी  
 भांअेइून असंअलोक बे कयंनूनीयतेकलं  
 लतीशंतकंकेतला मिनं किबरेयाअेक व  
 असंअलोक बे किबरेयाअेकलं  
 लतीशंतकंकेतला मिनं ईळंळतेक व  
 असंअलोक बे ईळंळतेकलं  
 लतिसंतवयंत बेला अंला अंरेशेक इ  
 भंलंकेत बेला जमीअं भंलंकेक इळुभं लक  
 मुळंअे नून अनं तोसंल्लेय अंला



## भोलुंभट्टिं व अडले बयतेडी.

अय मअबूद! अय हर सरकश को सर निगूं करनेवाले और मोअमिनो को धज्जत देनेवाले! तु ही मेरी पनाह है, जब रास्ते मुझे थका कर रख दे और तुही अपनी रहेमत से मुझे पैदा करनेवाला है, जब के तु मेरी पैदाईश से बेनियाज था, और अगर तेरी रहेमत मेरे शामिले डाल न होती तो में तबाह होनेवालो में होता और तूही दुश्मनो के मुकाबिल मेरी नुसरत करके मुझे ताकत देनेवाला है और अगर तेरी मदद डालिल न होती तो में इस्वा शुदा लोगो में से होता.

अय अपने ખजानो से रहेमत भेजनेवाले! और बा बरकत जगालों से बरकत डालिर करनेवाले! अय वोड जिसने ખुद को बुलंदी और बरतरीके साथे ખास किया. पस, उसके दोस्त उसकी धज्जत के जरिअे धज्जतदार है.

और अय वोड! जिसकी गुलामी का तोक बादशाहोने अपनी गरदनो में डाल रखा है.

और वोह उसके दबदबे से डरते है.

में तुमसे सवाल करता हुं तेरी तेरी जात की हकीकत के जरीअे से जिसे तूने अपनी बडाई से जाहिर किया और सवाल करता हुं तेरी बडाई के जरीअे जिसे तूने अपनी ईज्जत को नूमायां किया और सवाल करता हुं तेरी ईज्जत के जरीअे जिसे तुंने अपने अर्श पर जगह दी है.

पस, उसी से तूने सारी मज्लूक को पैदा किया जो सब तेरे इरमां बरदार है. यह के तू रहेमत इरमा हजरत मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी अहेलेबयत पर.

रिवायत में आया है के, जो भी गमदीदा ये दुआ पढेगा, जुदावंदे आलम उसका गमो अंदोह दूर इरमा दे.

### उम्मे दाउद का अमल

प- उम्मे दाउद का अमल यही एस दिन का पास अमल है. जो हाजत जआवरी, मुसीबत की दूरी और जालिमो के मूल से

ज्याव के लिये जहोत मोअस्सर है. शेजने मिरजाह में एस अमल की क्यङ्कियत युं लिप्पी है के अमले उम्मे दाउद करने के लिये १३-१४-१५ रज्ज को रोजा रप्पे और १५ रज्ज को ज्वाल के वक्त गुस्ल करे. ज्वाल के झौरन जा'द नमाजे मोहर और असर जज लाये के इकुओ सुबुद में जोङ् और आजेङ्किक एरहार करे तो उस वक्त वोह जलवत (अेकांत) की जगाह पर हो, जहां कोई शप्स उससे जात न करे. जज नमाज से झरिग हो जाओ तो किप्पा इ होकर एस तरह अमल करे.

सो मरतजा सूरजे हम्द सो मरतजा सूरजे एज्वास और दस मरतजा आयतुल कुरसी, एस के जा'द यह सुरा पढे. सूरजे अन्याम, सूरजे जनी एर्राएल, सूरजे कहङ्, सूरजे लुकमान, सूरजे यासीन, सूरजे साङ्ङात, सूरजे हा भीम सजदा, सूरजे हा

મીમ અય સીન કાફ, સુરએ હા મીમ દુખાન,  
 સૂરએ ફલ્હ, સૂરએ વાકેઆ, સૂરએ મુલ્ક,  
 સૂરએ નૂન ઔર સૂરએ ઇન્શોકાક સે ફુરઆન  
 કી આખરી સૂરએ તક મુસલસલ ફુરઆન  
 પઢે. ઔર ફિર કિબ્લા રૂખ હોકર યહ દુઆ  
 પઢે.

સંદકુંલાહુલ અંઝીમુલ લઝી લા  
 ઇલાહ ઇલા હોવલ હુંયુલ કુંયૂમો ઝુંલ  
 જલાલે વલ ઇકરામિરે રહુંમાનુરે  
 રહીમુલ હુંલીમુલ કરીમુલ લઝી લયસ  
 કમિસંલેહી શયઉવ વ હોવસ સમીઉલ  
 અંલીમુલ બસીરુલ ખંબીરો શહેદલાહો  
 અશહૂ લા ઇલાહ ઇલા હોવ વલ  
 મલાએકતો વ ઉલુલ ઈલમે કાએમમ  
 બિલ કિસેતે લા ઇલાહ ઇલા હોવલ  
 અંઝીઝુલ હુંકીમો વ બલલગંતે

रोसोलोडुलं केरामो व अना अंला ठंलेक  
 भिनशं शाडेदीन अल्लाहुम्म लकलं  
 हुंभेदो व लकल मज्जेदो व लकलं धंउंओ  
 व लकलं इभंरो व लकलं कुंउंरो व लकनं  
 नेअंमतो व लकलं अंउंमतो व लकरं  
 रहुंमतो व लकलं मडाभतो व लकसं  
 सुलंतांनो व लकलं जडाओ व लकलं  
 धंभेतेनानो व लकतं तसंभीडो व लकतं  
 तकुंटीसो व लकतं तहुंलीलो व लकतं  
 तकुंभीरो व लक मा योरा व लक मा ला  
 योरा व लक मा इवकुंसे समावातिलं उला  
 व लक मा तहुं तसं संरा व लकलं  
 अरंउंनसं सुइला व लकलं आभेरतो वलं  
 उला व लक मा तरंउं जेडी भिनसं

સંનોએ વલ હુંમદે વશ શુકરે વન  
 નઅંમોએ અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા  
 જબરઈલ અમીનેક અંલા વહ્યેક વલ  
 કુંવીયે અંલા અમરેક વલ મોત્તાંએ ફી  
 સમાવાતેક વ મહાંલ્લે કરામાતેકલ  
 મોતહુંમ્મેલે લે કલેમાતેકન નાસેરે લે  
 અમબેયાએકલ મુદમ્મેરે લે અઅંદાએક.  
 અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા મીકાઈલ મલકે  
 રહુંમતેક વલ મખ્લૂકે લે રઅફતેક વલ  
 મુસતગૅફેરિલ મુઈને લે અહલે તાંઅંતેક.  
 અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા ઈસરાફીલ  
 હાંમેલે અંરશોક વ સાહોબિસૂં સૂરિલ  
 મુનતઝેરે લે અમરેકલ વજેલિલ મુશફેકે  
 મિન ખીફતેક અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા

હુંમલતિલ અંરશિતં તાંહેરીન વ અંલસં  
 સફરતિલ કેરામિલ બરરતિતં તંયેબીન  
 વ અંલા મલોએકતેકલ કેરામિલ  
 કાતેબીન વ અંલા મલોએકતિલ જિનાને  
 વ ખંઝનતિન નીરાને વ મલકિલ મવંતે  
 વલ અઅંવાને યા ઝંલ જલાલે વલ  
 ઈકેરામે અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલો  
 અબીના આદમ બદીએ ફિતંરતકલ  
 લઝી કરેરમંતહૂ બે સુજૂદે મલોએકતેક  
 વ અબહૂંતહૂ જન્નતક અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે  
 અંલા ઉમ્મેના હુંવ્વાઅલ મુતંહૂહરતે  
 મિનર રિજસિલ મુસંફફાતે મિનદ  
 દનસિલ મુફઝંઝલતે મિનલ ઈનસિલ  
 મુતરદદેદતે બયન મહાંલલિલ કુંદસે

અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા હાબીલ વ  
 શયસિનં વ ઈદરીસ વ નૂહિનં વ હૂદિનં  
 વ સાંલેહિનં વ ઈબ્રાહીમ વ ઈસમાઈલ  
 વ ઈસહાકં વ યઅકૂબ વ યૂસુફ વલે  
 અસબાતે વ લૂતિનં વ શોઅંયબિનં વ  
 અય્યૂબ વ મૂસા વ હારુન વ યૂશઅં વ  
 મીશા વલે ખિઝરૈ વ ઝિલે કંરેનયને વ  
 યૂનુસ વ ઈલ્યાસ વલે યસઅં વ ઝિલે  
 કિફલે વ તાંલૂત વ દાવૂદ વ સુલયમાન  
 વ ઝકરિયા વ શઅંયા વ યહંયા વ તૂરખં  
 વ મત્તા વ ઈરમેયા વ હંયેકૂકં વ દાનિયાલ  
 વ ઉઝયરિનં વ ઈસા વ શમઉનં વ  
 જોરજોસ વલે હંવારીયીન વલે અતબાએ  
 વ ખાંલેદિનં વ હંનઝલત વ લુકમાન.



અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલા મોહુંમ્મદિવ વ  
 આલે મોહુંમ્મદિવ વરહુંમ મોહુંમ્મદવ  
 વ આલ મોહુંમ્મદિવ વ બારિક અંલા  
 મોહુંમ્મદિવ વ આલે મોહુંમ્મદિન કમા  
 સંલ્લયત વ રહુંમત વ બારકત અંલા  
 ઈબ્રાહીમ વ આલે ઈબ્રાહીમ ઈતક  
 હુંમીદુમ મજ્જદ. અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે  
 અંલલ અવસેયોએ વસ સોઅંદાએ વશ  
 શોહદાએ વ અઈમ્મતિલ હુદા.  
 અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે અંલલ અબદાલે વલ  
 અવતાદે વસ સુચ્યાહે વલ ઉબ્બાદે વલ  
 મુખ્લેસીન વઝ મુહહાદે વ અહલિલ  
 જિદદે વલ ઈજતેહાદે વખ્સુંસું  
 મોહુંમ્મદવ વ અહલ બયતેહી બે

અઈઝલે સંલવાતેક વ અજઝલે  
 કરામાતેક વ બલલિગો રૂહુંહૂ વ જસદહૂ  
 મિત્રી તહીયતંવે વ સલામંવે વ ઝિદહૂ  
 ફઝલવે વ શરફંવે વ કરમન હંતા  
 તોબલ્લેગોહૂ અઅંલા દરજાતે અહલિશો  
 શરફે મિનન નબિયીન વલ મુરસલીન  
 વલ અફાઝેલિલ મુકરરબીન.  
 અલ્લાહુમ્મ વ સંલ્લે અંલા મન  
 સમ્મયતો વ મલ લમ ઓસમ્મે મિમ  
 મલાએકતેક વ અમબેયાએક વ રોસોલેક  
 વ અહલે તાંઅંતેક વ અવસિલે સંલવાતી  
 ઈલયહિમ વ ઈલા અરવાહોહિમ  
 વજઅંલહુમ ઈખંવાની ફીક વ  
 અઅંવાની અંલા દુઆએક. અલ્લાહુમ્મ

ઈત્રી અસંતશકેઓ બેક ઈલયક વ બે  
 કરમેક ઈલા કરમેક વ બે જૂદેક ઈલા  
 જૂદેક વ બે રહુંમતેક ઈલા રહુંમતેક વ  
 બે અહલે તાંઅંતેક ઈલયક વ  
 અસંઅલોક અલ્લાહુમ્મ બે કુલ્લે મા  
 સઅલક બેહી અહુંદુમ મિનહુમ મિમ  
 મસઅલતિન શરીફતિન ગંયરે  
 મરદૂદતિવ વ બે મા દઅંવક બેહી મિન  
 દઅંવતિન મુજાબતિન ગંયરે  
 મુખંયેબતિન યા અલ્લાહો યા રહુંમાનો  
 યા રહીંમો યા હુંલીમો યા કરીમો યા  
 અંઝીમો યા જલીલો યા મોનીલો યા  
 જમીલો યા કફીલો યા વકીલો યા મોકીલો  
 યા મોજીરો યા ખંબીરો યા મુનીરો યા

મોબીરો યા મનીઓં યા મોદીલો યા  
 મોહીલો યા કબીરો યા કંદીરો યા બસીરો  
 યા શકુરો યા બરરો યા તુંહરો યા તાંહેરો  
 યા કાંહેરો યા ઝાંહેરો યા બાતેનો યા  
 સાતેરો યા મોહીતોં યા મુકંતદેરો યા  
 હંફીઝોં યા મુતજબ્બેરો યા કંરીબો યા  
 વદૂદો યા હંમીદો યા મજીદો યા મુબદેઓ  
 યા મોઈદો યા શહીદો યા મુહંસેનો યા  
 મુજમેલો યા મુનએમો યા મુફઝેલો યા  
 કાંબેઝોં યા બાસેતોં યા હાદી યા મુરસેલો  
 યા મુરશેદો યા મોસદદેદો યા મુઅંતી  
 યા માનેઓં યા દાફેઓં યા રાફેઓં યા  
 બાકીં યા વાકીં યા ખંલ્લાકો યા વહહાબો  
 યા તવ્વાબો યા ફતાહોં યા નફફાહોં યા

મુરતાહોં યા મમ બેયદેહી કુલ્લો  
 મિફતાહિનં યા નફફાઓં યા રઉફો યા  
 અંતૂંફો યા કાફી યા શાફી યા મોઆંફી  
 યા મોકાફી યા વફિય્યો યા મોહયમેનો  
 યા અંઝીઝો યા જબ્બારો યા મોતકબ્બેરો  
 યા સલામો યા મુઅમેનો યા અહુંદો યા  
 સંમદો યા નૂરો યા મોદબ્બેરો યા ફરદો  
 યા વિતરો યા કુંદદૂસો યા નાસેરો યા  
 મૂનેસો યા બાએસાં યા વારેસાં યા  
 આંલેમો યા હાંકેમો યા બાદી યા  
 મોતઆંલી યા મોસંવ્વેરો યા મોસલ્લેમો  
 યા મોતહુંબ્બેબો યા કાંએમો યા દાએમો  
 યા અંલીમો યા હુંકીમો યા જવાદો યા  
 બારેઓ યા બારરો યા સારરો યા અંદલો

યા ફાસેલો યા દય્યાનો યા હુંનાનો યા  
 મન્નાનો યા સમીઓ યા બદીઓ યા  
 ખંફીરો યા મોઈનો યા નારોરો યા ગાંફેરો  
 યા કંદીમો યા મોસહહેલો યા મોયસ્સેરો  
 યા મોમીતો યા મુહુંયી યા નાફેઓ યા  
 રાઝેકો યા મુકુંતદેરો યા મોસબ્બેબો યા  
 મોગીસો યા મુગુંની યા મુકુંની યા ખાંલેકો  
 યા રાસેદો યા વાહેદો યા હાંઝેરો યા  
 જાબેરો યા હાંફેઝો યા શદીદો યા ગિંયાસો  
 યા આઈદો યા કાંબેઝો યા મન અંલા  
 ફસેતઅંલા ફકાન બિલ મનઝરિલ  
 અઅંલા યા મન કુંરોબ ફ દના વ બઓદ  
 ફ નાયા વ અંલેમસે સિરેર વ અખંફા યા  
 મન ઈલયહિત તદબીરો વ લહુલ

મકાંદીરો વ યા મનિલ અંસીરો અંલયહે  
 સહલુંયં યસીરૂન યા મન હોવ અંલા મા  
 યશાઓ કંદીરૂન યા મુરસેલર રિયાહે  
 યા ફાલેકંલ ઈસંબાહે યા બાએસંલ  
 અરવાહે યા ઝંલ જૂદે વસ સમાહે યા  
 રોદદ મા કંદ ફાત યા નાશેરલ અમવાતે  
 યા જામેઅંશ શતાતે યા રાઝેક મંય  
 યશાઓ બે ગંયરે હિસાબિંવ વ યા  
 ફાએલ મા યશાઓ ક્યફ યશાઓ વ યા  
 ઝંલ જલાલે વલ ઈકરામે યા હંચ્યો યા  
 કંચ્યૂમો યા હંચ્યન હીન લા હંચ્ય યા હંચ્યો  
 યા મુહંયેયલ મવતા યા હંચ્યો લા ઈલાહ  
 ઈલ્લા અનંત બદીઉસ સમાવાતે વલ  
 અરઝે યા ઈલાહી વ સય્યેદી સંલ્લે અંલા

मोळुंभट्टिवं व आले मोळुंभट्टिवं  
 वरुंभं मोळुंभट्टिवं व आले मोळुंभट्टिवं  
 व बारिके अंला मोळुंभट्टिवं व आले  
 मोळुंभट्टिनं कमा संल्लयंत व बारिकेत  
 व रळिंभंत अंला एबेराहीम व आले  
 एबेराहीम एत्रक उंभीदुभं मज्जुदुनं.  
 वरुंभं गुंल्ली व इाकंती व इकंरी  
 वनेइराही व वळुंदती व जोळुंईं बयन  
 यदयंक वअंतेमाही अंलयंक व तळुंरेरोईं  
 एलयंक अदुंउंक दुआंअलं जोळुंईंळं  
 लंलीलिलं जोशेईंलं जोअेइलं  
 मुशेइकिलं जोअेसिलं महीनिलं उंकीरिलं  
 जोअेईंलं इकीरिलं आंअेळिलं  
 मुसंतज्जुरिलं मोकिंरेरे बे लंभेबेडिलं



મુસંતગૈરે મિનંહુલ મુસંતકીને લે  
 રબ્બેહી દુઆઅ મન અસંલમતહો  
 સેકંતોહૂ વ રફઝંતહો અહિંબ્બતોહૂ વ  
 અંઝામત ફજાઅંતોહૂ દુઆઅ હંરેકિંને  
 હંઝીનિનં ઝંઈફિમ મહીનિમ બાએસિનં  
 મુસંતકિનિમ બેક મુસંતજરિનં.  
 અલ્લાહુમ્મ વ અસંઅલોક બે અશક  
 મલીકુંવ વ અશક મા તશાઓ મિનં  
 અમરિયં યકૂનો વ અશક અંલા મા  
 તશાઓ કંદીરુંવ વ અસંઅલોક બે  
 હંરેમતે હાઝંશ શહરિલ હંરામે વલ  
 બયતિલ હંરામે વલ બલદિલ હંરામે વર  
 રુકને વલ મકામે વલ મશાએરિલ  
 એઝામે વ બે હંકંકે નબિય્યેક મોહંમ્દિનં

અંલયહે વ આલેહિસ સલામો યા મંવ  
 વહબ લે આદમ શયસંન વ લે  
 ઈબ્રાહીમ ઈસમાઈલ વ ઈસહાક વ યા  
 મન રદદ યૂસુફ અંલા યઅફૂબ વ યા મન  
 કશફ બઅદલ બલાએ ઝુરર અયૂબ યા  
 રદદ મૂસા અંલા ઉમ્મેહી વ ઝાએદલ  
 ખિંઝરે ફી ઈલમેહી વ યા મંવ વહબ લે  
 દાવૂદ સુલયમાન વ લે ઝકરિયા યહ્યા  
 વ લે મરયમ ઈસા યા હાફેઝ બિનતે  
 શોઅંયબિંવ વ યા કાફેલ વલદે ઉમ્મે  
 મૂસા અસઅલોક અન તોસંલ્લેય અંલા  
 મોહમ્મદિવ વ આલે મોહમ્મદિવ વ અન  
 તગફેર લી ઝાંનૂબી કુલ્લહા વ તોજીરની  
 મિન અંઝાબેક વ તૂજેબ લી રિઝવાનક

વ અમાનક વ એહંસાનક વ ગુંફેરાનક  
 વ જિનાનક વ અસંઅલોક અનં તફુકક  
 અંત્રી કુલ હંલકંતિમં બયની વ બયન મંય  
 યુઅઝીની વ તફેતહં લી કુલ્લ બાબિંવં વ  
 તોલય્યેન લી કુલ્લ સંઅંબિંવં વ  
 તોસહહેલ લી કુલ્લ અંસીરિંવં વ તુખંરેસ  
 અંત્રી કુલ્લ નાતેકીંમં બે શરરિંવં વ  
 તફુફે અંત્રી કુલ્લ બાગિંવં વ તકબેત  
 અંત્રી કુલ્લ અંદુવવિલં લી વ હાંસેદિવં  
 વ તમનઅં મિત્રી કુલ્લ ઝાંલેમિંવં વ  
 તકફેયની કુલ્લ આંએકિંયેં યહુંલો બયની  
 વ બયન હાંજતી વ યોહાંવેલો અનં  
 યોફરેરેકં બયની વ બયન તાંઅંતેક વ  
 યોસંબ્બેતંની અંનં એંબાદતેક યા મનં

અલજમલ જિત્તલ મોતમરેરદીન વ કુંહર  
 ઓતાતશ શયાતીને વ અઝલ્લ રેકાંબલ  
 મોતજબ્બેરીન વ રદદ કયદલ  
 મોતસલ્લેતીન અંનિલ મુસતઝંઅંફીન  
 અસઅલોક બે કુંદરતેક અંલા મા તશાઓ  
 વ તસહીલેક લે મા તશાઓ કયફ  
 તશાઓ અન તજઅંલ કંઝાંઅ હાંજતી  
 ફી મા તશાઅ.

ઈસકે સાથે હી ઝમીન પર સિજદા કરે  
 ઔર અપને દોનો રૂખસારે ખાક પર રખ કર  
 કહે :

અલ્લાહુમ્મ લક સજદતો વ બેક  
 આમનતો ફરહંમ ઝુંલ્લી વ ફાકંતી  
 વજતેહાદી વ તઝરોઈ વ મસકનતી વ  
 ફકરી ઈલયક યા રબ્બ.

सय्या है जुदाअे जुजुर्गा के नही ईस के सिवा कोई मअबूद मगर वोही जो जिंदा निगेहदार, साहेबे जुजुर्गी, बडे रहेमवाला, महेरबान बुर्दभार और करम करनेवाला है. वोही के जिसके मिस्ल कोई चीज नही और वोह सुननेवाला है, जाननेवाला है, देखनेवाला है और जबरदार है.

अल्लाह तआलाने भूद गवाही दी के उसके सिवा कोई मअबूद नही और इरिश्तो और साहेबाने ईल्मने भी गवाही दी जो अदल पर काईम है के, नही कोई मअबूद सिवाअे उसके जो गालिब, साहेबे हिकमत है और उसके मोहतरम रसूलोने येही पयगाम दिया और मेंभी उसके गवाहो में से हुं.

अय मअबूद!तेरे लिये ही हम्द है, तेरे लिये ही जुजुर्गी है, तेरे लिये ही ईज्जत है तेरे लिये ही इफ्र है, तेरे लिये ही गलबा है, तेरे ही लिये नेअमत है, तेरे ही लिये बडाई है तेरे ही

लिये रडेमत है. तू ही साहेबे हयबत है, तू ही सलतनवाला है, तू ही भूमी वाला है, तू ही साहेबे अहसान है, तेरे ही लिये तस्बीह है, तेरे ही लिये पाकीजगी है. तेरे ही लिये जिऊ है, तेरे ही लिये बडाई है, तेरे ही लिये है हर दिभाई देने और दिभाई न देनेवाली थीऊ है, तेरे ही लिये है जो बुलंद आस्मानो से उपर है, तेरे ही लिये है हर थीऊ जो जेरे जमीन है. तेरे ही लिये है नियली जमीने, तेरे ही लिये है आगाऊ और अंजाम और तेरे ही लिये है तेरी पसंद की दुई तारीफ़, हम्द शुक्र और नेअमत.

अय मअबूद! रडेमत इरमा जिब्रईल पर जो तेरी वही का अमानतदार है, तेरे हुकम मानने में कवी है, और तेरे आस्मानो मे काबिले ईताअत है तेरी नवाजिशों का मरकऊ, और तेरे कलमात का हामिल है. तेरे अंबिया का मददगार है और तेरे दुश्मनो को हलाक करनेवाला है.

अय मअबूद! रडेमत इरमा भीकाईल पर

जो तेरी रहेमत का इरिश्ता है, उसका वजुद तेरी महेरबानी का मज्हर है. वोह तेरे ईतायअत गुजारो का मद्दगार और उनके लिये तालिबे बक्षिश है.

अय मअबूद! रहेमत इरमा ईसराईल पर जो तेरे अर्शका उठानेवाला और सूर झूंकनेवाला के तेरे हुकम के ईन्तेजार में है. वोह तेरे जोई से जाईई और हिरासां है.

अय मअबूद! रहेमत इरमा हामिलाने अर्श पर जो पाको पाकीजा है और अपने सईरो पर रहेमत इरमा जो ईज्जतदार, नेक और पाकीजा है. और रहेमत इरमा उन इरिश्तों पर जो ईज्जतदार कातिब है. और जन्नत के इरिश्तों पर, जहन्नम के निगेहबान इरिश्तों और इरिश्तअे मोत और उसके मद्दगारों पर रहेमत इरमा, अय साहेबे जलालतो ईज्जत!

अय मअबूद! रहेमत नाजिल इरमा हमारै बाप आदम पर जो तेरी मज्लूक में नकशे अव्वल

है. जिनको तूने इरिशतों से सजदे कराके, धमकत दी और अपनी जगत जिनके लिये षोल दी.

अय मअबूद! रहेमत इरमा हमारी मां हव्वा पर जो आलाईश से पाक और मेल कुयेल से साईो पाकीजा है. वोह ईन्सानो में से बुलंद तर और कुद्रस मे सैर करती है.

अय मअबूद! रहेमत नाजिल इरमा हाबील, शीश, ईदरीस, और नूह, हूद, सालेह, ईब्राहीमो ईस्माईल, और ईस्हाक, यअकूब और युसुफ पर और उनके असबातो औलाद पर और रहेमत इरमा लूत, शोअेब, अय्युब, मुसा व हाइन पर और युशअ, मीशा व जिजर और जुल्लकरनैन पर और रहेमत इरमा युनुस, ईल्यूस अलयसअ, जुलकिईल, तालूत और दावूदो सुलेमान पर रहेमत इरमा और जकरिया, शअया, यह्या तूरष, मता, ईरमिया और हयकूक पर रहेम इरमा और दानियाल, उजैर, ईसा, शमउन और जेरजस, नीजान के



हवारीयों और पैरवकारो पर रहेम इरमा और  
 ખાલિદ, હનઝલા और लुकमान पर रहेमत  
 इरमा.

अय मअबूद! दुइद तेज मोहम्मद  
 (स.अ.व.) और आले मोहम्मद अ.मु.स. पर  
 और रहेमत कर मोहम्मद (स.अ.व.) और  
 आले मोहम्मद अ.मु.स. पर और बरकत  
 नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) व आले  
 मोहम्मद अ.मु.स. पर जैसा के तुने दुइद तेज,  
 रहेमत की और बरकत नाजिल की ईब्राहीम  
 (अ.स.) और आले ईब्राहीम (अ.स.) पर  
 बेशक तु ताअरीफवाला शानवाला है.

अय मअबूद! रहेमत इरमा वसीयो, नेक  
 बप्पो शहीदो और खिदायत वाले ईमामो पर.

अय मअबूद! रहेमत कर वलीयो और  
 कलंदरो पर और रहेमत कर सुय्याहो, आबिदो,  
 मज्लिसो, जालिदो और कोशिशो ईजतेहाद  
 करनेवालो पर और ખાસ तोर पर हजरत

मोहम्मद (स.अ.व.) और उनके अहलेबैत (अ.स.) को अपनी बहेतरीन रहेमतो और अजीम महेरबानीयो से नवाज और मेरी तरफसे आं हजरत (स.अ.व.) के जोस्मो इह को सलाम और आदाब पछोंया. और उन्हे इजलो शरफ और बुजुर्गी में बढा, हत्ता के तु उनको अंबिया अे मुरसलीन में से अहले शरफ हस्तीयों और अपने बुजुर्ग मुकररबों के बुलंद दरजात पर पछोंया दे.

अय मअबूद! रहेमत इरमा उन पर जिन के नाम में ने लिये और जिनके नाम नही लिये जो तेरे इरिशतो नबीयों और रसूलों और इरमाबरदारों में से है. पछोंया दे मेरा दुइद उन तक और उनकी इहों तक और अपनी दरगाह में उन्हे मेरे भाई और दुआ में मेरे मददगार बनादे.

अय मअबूद! में तेरे हजुर तेरी शफाअत लाया और तेरे करामात तक तेरे करम और तेरी

अता तक तेरी अता को और तेरी रહેमत तक तेरी रહેमत और तेरे इरमां बरदारो को शर्की बना रहा हूं.

और अय परवरद्विगार! में सवाल करता हूं तुझसे जो इनमें किसीने बहेतरीन सवाल किया, जिसे रद नही किया गया. और जो हुआ उन्होने मांगी जिसे कबूल किया गया, रद नही किया गया. वोही हुआ करता हूं, अय अल्लाह! अय रहेमान! अय महेरबान! अय बुर्दभार! अय करमवाले! अय बडाईवाले, अय जलालतवाले, अय बक्षनेवाले, अय ખુश्नुमा, अय सरपरस्त, अय कारसाज, अय माई करनेवाले, अय पनाह देनेवाले, अय ખबरदार, अय ताबिन्दा अय नाबूद करनेवाले, अय महेकूज! अय ફेरनेवाले, अय हरकत देनेवाले, अय बुजुर्ग, अय कुदरत वाले, अय बीना, अय कद्रदां, अय नेकूकार, अय पाक, अय पाकीजा, अय गालिब, अय अयां, अय पिन्हां अय परदा

પોશ અય ઘેરનેવાલે, અય ઈકતેદાર વાલે, અય નિગેહબાન, અય જોડનેવાલે, અય નઝદીક તર, અય દોસ્તીવાલે, અય પસંદીદા, અય બુઝુર્ગવાર, અય આગાઝ કરનેવાલે, અય પલટાનેવાલે, અય ગવાહ, અય એહસાન કરનેવાલે, અય નેકી કરનેવાલે, અય નેઅમત દેનેવાલે, અય અતા કરનેવાલે, અય ગિરફતમેં લેનેવાલે, અય અતા કરનેવાલે, અય હિદાયત દેને વાલે, અય ભેજનેવાલે, અય નેક બનાનેવાલે, અય મોહકમ કરનેવાલે, અય અતા કરનેવાલે, અય રોકનેવાલે, અય હટાનેવાલે, અય બુલંદ કરનેવાલે, અય બકાવાલે, અય નિગેહદાર, અય પૈદા કરનેવાલે, અય બક્ષનેવાલે, અય તૌબા કબૂલ કરનેવાલે, અય ખોલનેવાલે, અય હવા ભેજનેવાલે, અય રાહત દેનેવાલે, અય વોહ જિસકે હાથ મેં હર કલીદ હૈ. અય નફા દેનેવાલે, અય મહેરબાન! અય નરમીવાલે, અય કિફાયત કરનેવાલે, અય વફાવાલે, અય નિગેહબાન,

અય ઝબરદસ્ત, અય ગલબેવાલે, અય બડાઈવાલે, અય સલામતી વાલે, અય અમ્ન દેનેવાલે, અય યકતા, અય બે નિયાઝ, અય રોશન, અય કામ પૂરે કરનેવાલે, અય યગાના, અય તન્હા, અય પાકીઝાતર, અય મદદગાર, અય મહોબ્બતવાલે, અય ઉઠાનેવાલે, અય વિરસાદાર, અય દાના, અય હુકમવાલે, અય આગાઝ કરનેવાલે, અય બરતરીવાલે, અય સુરતગર, અય સલામતી દેનેવાલે, અય દોસ્તી કરનેવાલે, અય કાઈમ, ઔર હમેશગીવાલે, અય ઈલ્મવાલે, અય હિકમતવાલે અય અતાવાલે, અય પૈદા કરનેવાલે, અય નેકી કરનેવાલે, અય ખુશી દેને વાલે, અય અદલવાલે, અય ફેસલા કરનેવાલે, અય જઝા દેનેવાલે અય મોહબ્બત કરનેવાલે, અય એહસાન કરનેવાલે, અય સુનનેવાલે, અય નકશસાઝ, અય પનાહ દેનેવાલે, અય મદદગાર, અય દુબારા ઝિંદા કરનેવાલે, અય બક્ષનેવાલે, અય સબસે પહેલે,

अय आसान करनेवाले, अय हमवार करनेवाले,  
 अय मारनेवाले, अय जिंदा करनेवाले, अय नफ़ा  
 देनेवाले, अय पनाह देनेवाले, अय मददगार,  
 अय दुबारा जिंदा करनेवाले, अय बक्षनेवाले,  
 अय सबसे पहले, अय आसान करनेवाले, अय  
 हमवार करनेवाले, अय मारनेवाले, अय जिंदा  
 करनेवाले, अय नफ़ा देने वाले, अय रिजक  
 देनेवाले, अय धियाएरवाले, अय सब पैदा  
 करनेवाले, अय इरियाए रस, अय सरवत देने  
 वाले, अय निगेहदार, अय खल्क करनेवाले अय  
 निगेहबान, अय यगाना अय मौजूद अय जोउने  
 वाले अय डिफ़ाजत करनेवाले, अय सप्तगीर,  
 अय दादरस, अय लोटानेवाले, अय गिरइतमें  
 लेनेवाले, अय वोह जो बुलंद होकर गाईब हुवा  
 तो बहोत ही उंचे मकाम पर था, अय वोह जो  
 करीब है तो पहले में है और दूर है तो पहोंय मे  
 नही और छुपी खुली हर चीज को जानता है,  
 अय वोह जो साहेबे तदबीर और वोही अंदाजे

करनेवाला है, अय वोह जिस के लिये मुश्किल काम मामूली और आसान है, अय वोह के जो कुछ भी चाहे उस पर कादिर है, अय हवाओ के चलानेवाले, अय सुब्हकी रोशनी फैलानेवाले, अय रूहो को भेजनेवाले, अय अताओ सभावात के मालिक, अय गुमशुदा चीजो के पलटानेवाले, अय मुर्दो को जिंदा करनेवाले, अय बिभरी चीजों को जम्मा करनेवाले, अय जिसे चाहे बगैरे हिसाब रिजक देनेवाले अय जो चाहे जैसे चाहे करनेवाले, और अय जलालत और बुलुर्गीवाले, अय जिंदा अय निगेहबान, अय जिंदा जब कोई जिंदा न हो, अय वोह जिंदा जो मुर्दो को जिंदा करनेवाला है, अय वोह जिंदा के सिवाअे तेरे कोई मअबूद नहीं, तु आस्मानो और जमीन का ईशद करनेवाला है अय मअबूद! और मेरे सरदार, दुइद भेज मोहम्मद (स.अ.व.) व आले मोहम्मद (अ.मु.स.) पर और रहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) पर और आले

मोहम्मद (अ.मु.स.) पर और बरकत नाजिल  
 कर मोहम्मद (स.अ.व.) पर और आले  
 मोहम्मद (अ.मु.स.) पर जैसे तूने दुइद भेजा  
 बरकत नाजिल की और रहेमत इरमाई ईब्राहीम  
 (अ.स.) पर और आले ईब्राहीम (अ.स.)  
 पर, बेशक तु ताअरीफ़वाला, शानवाला है और  
 रहेम कर मेरी जिल्लत, मेर इको इका मेरी बेकसी  
 मेरी तन्हाई पर और तेरे सामने जो में आज्जी  
 करता हूं और रहेम कर के में तुज पर भरोसा  
 करता हूं और तेरे हुजूर आडोज़ारी करता हूं,  
 तेरी दरगाह में हुआ करता हूं, उस शप्स की सी  
 हुआ जो आज्ज, पस्त, हीय, उरा हुवा,  
 बेयारा, कमतरीन, नायीज, भूभा, मोहताज,  
 पनाह प्वाह, तालिबे पनाह, अपने गुनाहों  
 का ईकरारी, गुनाह की माई मांगनेवाला, और  
 अपने रब से आज्ज कर रहा है उसके  
 अमतमादने बला के हवाले कर दिया और  
 दोस्तोने छोड दिया है और उसकी मुसीबत भारी



है. में हुआ करता हूँ जैसे कोई दिल जला, दुष्मी, कमजोर, पस्त बेयारा, जलील और तुझसे तालिबे पनाह हुआ करता है. अय मअबूद! में तुझसे सवाल करता हूँ इस लिये के तू मालिक है. तु जो चाहे वोह हो जाता है, और तु जो चाहे उस पर कादिर है, में सवाल करता हूँ तुझसे ब वास्ता इस मोहतरम महीने के, पाक घर काबा के मुकद्दस शहर, के रुकनो मकाम और अजमत वाले मशअरो की हुरमत के, और बवासता तेरे नबी मोहम्मद (स.अ.व.) (उन पर और उनकी आल पर सलाम), सवाल करता हूँ अय वोह जिसने आदम को शीश, और अब्राहीम को इस्माईलो इस्लाक दिये, अय वोह जिसने युसुफ़को या यअकूबकी तरफ़ लोटाया, अय वोह जिसने आजमाईश के बा'द अय्युब की सप्ती दूर की. अय मुसा को उनकी मां के पास पलटानेवाले, जिअर के फिल्म मे ईजाज़ा करनेवाले अय वोह जिसने दावूद को सुलयमान, जकरिया को यह्या,

मरयम को ईसा अता किये, अय दुष्टरे शोअेज  
 की डिङ्गलत करनेवाले, अय मादरे मुसा के इरजंद  
 के मुहाङ्गिज में सवाल करता हुं के तु रहेमत  
 नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) व आले  
 मोहम्मद (अ.मु.स.) पर यह के मेरे सारे गुनाह  
 बक्ष दे, मुझे अपने अजाब से पनाह दे, और  
 मेरे लिये अपनी रजामंदी, अपनी पनाह,  
 अपना अेहसान अपनी बक्षिस और अपनी  
 बहिश्त वाजिब कर दे और सवाल करता हुं के  
 मेरे और मुझे ईजा देने वाले के दरमियान जितनी  
 कडियां है वोह जोल दे, हर दरवाजा मेरे लिये  
 जोल दे. हर सप्ती को नरमी में बदल दे. हर  
 मुश्किल को आसान कर दे, मेरे खिलाइ हर  
 बदगोई करनेवाले को गूंगा कर दे. हर सरकश  
 को मुझसे दूर कर दे और मेरे दुश्मनों, डासिदको  
 जलील कर दे, हर जालिम को मुझसे रोके रज्ज.  
 हर उस मानेअसे मेरी डिङ्गलत इरमा, जो मेरी  
 और मेरी छाजत के दरमियान छाईल है, और

याहता है के मुझे तेरी इरमांवरदारी से बाज रखे और तेरी ईबादत से दूर कर दे, अय वोह जिसने सरकश जिनात को लगाम दी. और नाइरमान शैतानों की सरकोबी की और जालिमों की गरदने लुका दीं और कमजोर लोगों को जालिमो के पंजे से आजादी बक्षी.

में सवाल करता हूं, बवासता उसके तु जो याहे उस पर कादिर है और जो याहे, जैसे याहे तेरे लिये आसान है के तु मेरी हाजत रवाई जिस चीज में याहे करार दे.

ईस के साथ ही जमीन पर सिजदा करे और अपने दोनों इंसारें जाक पर रज कर कहे :

अय मअबूद! में तुजही को सिजदा करता हूं और तुजही पर ईमान रखता हूं पस, मेरी जिल्लत ओहतेयाज और कोशिश, मेरी आहोजारी, व बेयारगी और अपनी बारगाह में मेरी मोहताज पर रहेम इरमा अय

परवरद्विगार!

ईस दौरान यह कोशिश करे के आंजो से आंसु निकल आये. अगर ये वोह मज्जी के पर जुतने ही क्युं न हो, क्युं के यह कजुलियते दुआ की निशानी है.

**माहे रज्ज की पर्यसर्पी का दिन**

२५ रज्ज, ही.सन. १८३ को ५५ जरस की उम्र में एमामे मूसा काज़िम (अ.स.) की शहादत जगदाद में वाक़ेअ हुए. पर, यह ऐसा दिन है जिसमें अहलेजैत (अ.स.) और उनके चाहनेवालो के गम फिरसे ताज़ा हो जाते हैं.

**माहे रज्ज की सत्तापीसर्पी की रात**

येह जडी मुतजरीक रातों में से है, क्युं के यह हज़रत रसूले जुदा (स.अ.व.) के मजअस (मामूर ज तजलीग होने) की रात है और इसमे चंद अक आ'माल है :

१- मिरजाह में शेजने एमाम अजु

जअरु जव्वाह (अ.स.)से नकल किया है के  
रुमाया :

माहे रज्ज में अेक रात है के वोह र्ण  
सज चीजों से जहेतर है जिन पर सूरज  
रुमकता है और वोह सतावीसवी रज्ज की  
रात है के, जिसकी सुणह रसूले अरुम  
(स.अ.व.) मजुसि ज रिसालत हुये. हमारे  
पैरवकारो में जो र्ण रात अमल करेगा तो  
उसको साठ साल के आमाल का सवाज हासिल  
होगा. में ने अर्ज किया र्ण रात का अमल  
कया है? अपने रुमाया :

नमाजे र्शा के जाह सो जाये और र्जि  
आधी रात से पहले उठे, और जारा रकअत  
नमाज पढे, हर रकअत में सूरजे हम्द के  
जाह कुरआन की आजरी मुस्सिल सुरतो  
(सूरजे मोहम्मद स.अ.व. से सूरजे नास)  
में से कोर अेक सूरा पढे. नमाज का सलाम  
देने के जाह सूरजे हम्द, सूरजे इलक, सूरजे

नास, सूरजे तौहीद, सूरजे काइरेन और  
सूरजे कद्र, सात सात भरतजा और आयतुल  
कुत्सी भी सात भरतजा पढे और एन सजको  
पढने के बाद ये हुआ पढे.

अल्लुंमदो लिस्लाहिल लमीं लम  
यत्तभिंजं वलदं व लम यकुल लहू  
शरीकुनं हिल मुलके व लम यकुल लहू  
वलीयुमं मिनजं गुंले व कर्भभिरहू  
तर्कीरा. अस्लाहुम्म ईश्री असअलोक  
बे मआंकेदे ईज्जेक अंला अरकाने  
अंरशेक व मुनंतहरं रहंमते मिनं  
किताबेक व बिसमेकल अअंजंमिल  
अअंजंमिल अअंजंमे व जिंकरेकल  
अअंलल अअंलल अअंला वबे  
कलेमातेकतं तांभाते अनं तोसंलेय

**अँला मोहँम्मदिव व आलेही व अन  
तईअँल बी माँ अनंत अहँलोह.**

हम है उस पुदा के लिये जिसने किसीको अपना बेटा नहीं बनाया और न कोई उसकी हकूमत में उसका शरीक है. न वोह कमज़ोर है के कोई उसका हामी हो और तुम उसकी बडाई पूज बयान करो.

अय मअबूद! में सवाल करता हूँ तुमसे अर्श पर तेरे मकामे ईज़ज़त के वास्ते से और उस ईन्तेहाई रહેमत के वास्ते से जो तेरे कुरआन में है और आवस्ता तेरे नाम के जो बहोत बडा, बहोत बडा, बहोत ही बडा है. बवास्ता तेरे जिकके जो बुलंद तर, बुलंदतर, बहोत ही बुलंद है और तेरे कामिल कलेमात के वास्तेसे सवाल करता हूँ के तु रहेमत इरमा हज़रत मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और मुमसे वोह सुलुक इरमा जो तेरी शायाने शान है.

ईसके जा'द जो दुआ चाहे पढे. नीज ईस रात में गुसल करना मुस्तहज है और ईस शज में पंदरह रज्ज की रात में पढी जानेवाली नमाज भी जज लानी चाहिये.

२- हजरत अमीरुल मोअमेनीन (अ.स.) की जियारत पढना के जो ईस रात के तमाम आ'मालसे जेहतरो अज़्जल है, ईस रात में आं जनाज की तीन जियारतें हैं.

वाजेह हो के मशहूर जेहले सुन्नत आलिम अबु अब्दुल्लाह मोहम्मद ईज्जे जतूता ने छे सो साल कज्जल मक्कजे मोअज्जमा, व नज्जे अशरफ़ का सफ़र किया, और मौला अमीरुल मोअमेनीन (अ.स.) के रोज़े पर हाजरी दी ईन्होने अपने सफ़रनामा (रहलजे ईज्जे जतूता) में जेक वाकेआ तेहरीर इरमाया है के, ईस शहेर के रहेनेवाले सज के सज राइगी है और ईस रोज़े से जहोत सी इरामात जहुर मे आती है. यह लोग लयलतुल मद्वा



(जगने की रात) के जो सत्तासिवी रज्ज की शय है. इसमें कुड़ा, जसरा, पुरासान, और जलाटे झारसो इम वगयरह से हर बीमार, मङ्गलूज, शल शुदा और ऋमीन गीर को यहां लाते है के जिनकी तेअदाद उमुमन तीस चालीस तक होती है वोह लोग नमाजे ईशा के बाद इन अपाहिजे को हररत अभीइल मोअमेनीन (अ.स.) की ऋरीह मुजारक पर ले जाते है, यहां कसीर तेअदाद अइराद उनके गिर्द जम्भ हो जाते है. उनमें से जाज नमाज, तिलावत और ऋक में मशगूल रहेते है और जाज सिर्फ इन बीमारो को ही देखते रहेते है के कज वोह तंदुरस्त हो कर उठ जडे होंगे, जज आधी या दो तेहाई रात गुजर जाती है तो जो मङ्गलूज ऋमीनगीर हरकत ही न कर सकते थे वोह इस हालत में उठते है के उन्हें कोई जिमारी ही नहीं हुई थी और कलमअे तय्यजा ला ईलाहा ईल्लाहा मोहम्मदुर

रसूलुल्लाह अलीय्यीन वलीयुल्लाह (नही कोर्ध मअजूद सिवाये अल्लाह के मोहम्मद स.अ.व. अल्लाह के रसूल है अली (अ.स.) अल्लाह के वली है.) पढते हुये वहां से रवाना हो जाते हैं यह मश्हूरों मुसल्लमा क़रामत है. अगर ये ९स रात में जुद वहां मौजूद न था, लेकिन काबिले अेअतेमाद और नेक़्कार लोगो की झपानी मुळ तक पहोंची है.

ता हम मैंने हज़रत अमीरुल मोअमेनीन (अ.स.) के रोज़अे अक़दस के करीब वाक़ेअ मदरेसे में तीन आदमी देजे जो अपाहिज की हालत में झमीन पर पडे थे, ९नमे से अेक ९रफ़हान का, दुसरा जुरासान का और तीसरा अेहले इम से था मैं ने उनसे पूछा के तुम लोग तंदुरस्त क्युं नही हुये? वोह कहेने लगे के हम सत्ता९स रज्ज को यहां पहोच नही शके. लेहाज़ा हम आ९न्दा सत्ता९स रज्ज तक यहां रहेगे. ताके हमें शिफ़ा हासिल हो.

और फिर हम वापस जायेंगे.

आजिदमें एव्ने जतूता कहते हैं के एस रात में दूर दरार शेरों के लोग मियारत के लिये एस रौज्जे अकदस पर जमया हो जाते हैं और यहां जहोत जडा जाजार लगता है जो एस दिन तक जमा रहेता है.

मोअल्लिह कहते हैं के लोग एस वाकैआ को जर्द (जूडा) न समजे क्युं के एन मशाहिदे मुशर्र्हासे एतनी करामात ग़ाहिर हुए है. जिनका शुमार नहीं हो सकता चुनानये माहे शव्वाल १३४३ ही. में उम्मते आसी के ग़ामीन एमामे सामीन यअने अबुल हसन एमाम अली रज़ा (अ.स.) के मशहदे अतहर में तीन मङ्गलूजे ग़ामीनगीर औरतें लाए गए. जिनके एलाज से तबीजों मआलिज आशुज आ गये थे, उसको वहां से शिफ़ा मिली. और वोह भली चंगी होकर उस हरम से वापस गए.

ईस मशहदे मुबारक के मोअजेजातो करामात जैसे वाजेह और आशकार है, जैसे आस्मान पर सूरज का चमकना और जददुओ के लिये हरमे नज्द के दरवाजे का खुलना हर शक और सुणह से जालातर है इन औरतों का वाकेआ ऐसा ग़ाहिरा ज़ाहिर था के जो मखालिज उनके काम्याज न हो सके थे, उन्होंने अजेजेराइ किया है के हमारा जयाज यही था के यह औरतें सेहतयाज नहीं हो सकती, लेकिन उन्हें हरमे मुतहहर से शिइा मिल गइ है, फिर उन्होंने जाकाअेदा तेहरीरी तसदीक नामा भी लिख कर दिया के अगर एफ़ेसार मदे नज़र न होता तो जैसे जहोत से वाकेआत का ग़िक़ किया जा सकता था.

३- शोष कइअमीने जलदुल अमीन में इरमाया है के मजअस की रात यह दुआ भी पढी जाये.

अद्लाहुम्म ईशी असअलोक

બિતજલિલ અઅંઝંમે ફી હાઝંહિલ  
 લયલતે મિનશં શહરિલ મોઅંઝંઝંમે વલ  
 મુરસલિલ મોકરરમે અન તોસંલ્લેય  
 અંલા મોહંમદિવ વ આલેહી વ અન  
 તગંફેર લના મા અનત બેહી મિત્રા  
 અઅંલમો યા મંય યઅંલમો વ લા  
 નઅંલમો. અલ્લાહુમ્મ બારિક લના ફી  
 લયલતેના હાઝંહિલ લતી બે શરફિર  
 રિસાલતે ફઝંઝંલતહા વ બે કરામતેક  
 અજલલતહા વ બિલ મહંલલિશં શરીફે  
 અહંલલતહા અલ્લાહુમ્મ ફ ઈન્ના  
 નસઅલોક બિલ મબઅંસિશં શરીફે વસ  
 સય્યેદિલ લતીફે વલ ઉન્સોરિલ અંફીફે  
 અન તોસંલ્લેય અંલા મોહંમદિવ વ

આલેહી વ અનં તજૈઅંલ અઅમાલના  
 ફી હાઝેહિલ લયલતે વ ફી સાયેરિલ  
 લયાલી મકૈબૂલતંવં વ ઝાંનૂબના  
 મગૈફૂરતંવં વ હંસનાતેના મશૈફૂરતંવં વ  
 સય્યાઆતેના મસૈતૂરતંવં વ કોલૂબના બે  
 હુંસૈનિલ કંવેલે મસૈરૂરતંવં વ અરેઝાકંના  
 મિલ લદુનક બિલ યુસૈરે મદૈરૂરતનં  
 અલ્લાહુમ્મ ઈન્નક તરા વ લા તોરા વ  
 અનંત બિલ મનંઝૈરિલ અઅલા વ ઈન્ન  
 ઈલયકરે રૂજૈઆં વલ મુનંતહા વ ઈન્ન  
 લકલ મમાત વલ મહંયા વ ઈન્ન લકલ  
 આખૈરત વલ ઉલા, અલ્લાહુમ્મ ઈન્ના  
 નઉઝાં બેક અનં નઝિલ્લ વ નખૈઝા વ  
 અનં નઅતેય મા અંનહો તનહા,

અલ્લાહુમ્મ ઈન્ના નસંઅલોકલે જન્નત બે  
 રહૂમતેક વ નસંતઈઝો બેક મિનન નારે  
 ફ અઈઝના મિનહા બે ફુદરતેક વ  
 નસંઅલોક મિનલ હૂરિલ ઈને ફરઝૂકના  
 બે ઈઝઝતેક વજઅલ અવસઅં  
 અરઝાકેના ઈનેદ કેબરે સિશેના વ  
 અહૂસન અઅમાલેના ઈનેદકે તેરાબે  
 આજાલેના વ અતિલ ફી તાઅંતેક વ મા  
 યોકરેબો ઈલયક વ યુહૂઝી ઈનેદક વ  
 યુઝલેફો લદયક અઅમારના વ  
 અહૂસિન ફી જમીએ અહૂવાલેના વ  
 ઉમૂરેના મઅરેફતના વ લા તકિલેના  
 ઈલા અહૂદિમ મિન ખંલકેક ફ યમુન્ન  
 અંલયના વ તફઝઝલ અંલયના બે

જમીએ હુંવાએજેના લિદ દુનયા વલ  
 આખેરતે વબદઅ બે આબાએના વ  
 અબનાએના વ જમીએ ઈખવાનેનલ  
 મુઅમેનીન ફી જમીએ મા સઅલનાક  
 લે અનફોસેના યા અરહુંમરે રાહુંમીન.  
 અલ્લાહુમ્મ ઈન્ના નસઅલોક બિસમેકલ  
 અંઝીમે વ મુલકેકલ કંદીમે અન  
 તોસંલ્લેય અંલા મોહુંમદિવ વ આલે  
 મોહુંમદિવ વ અન તગફેર લનઝ  
 ઝંમબલ અંઝીમ ઈન્નહૂ લા યગફેરૂલ  
 અંઝીમ ઈલ્લલ અંઝીમો. અલ્લાહુમ્મ વ  
 હાઝા રજબોનિલ મોકરેરમુલ લઝી  
 અકરમતના બેહી અવ્વલો અશહોરિલ  
 હાંરોમે અકરમતના બેહી મિમ બયનિલ



ઉમમે ફ લકલે હુંમદો યા ઝંલે જૂદે વલે  
 કરમે ફ અસંઅલોક બેહી વ બિસંમેકલે  
 અઅંઝંમિલે અઅંઝંમિલે અઅંઝંમે અલે  
 અજલેલિલે અકરમિલે લઝી ખંલકંતહૂ  
 ફસંતકંરર ફી ઝિંલેક ફ લા યખંરોજો  
 મિનક ઈલા ગંયરેક અનં તોસંલેય અંલા  
 મોહુંમદિંવં વ અહલે બયંતેહિતં  
 તાંહેરીન વ અનં તજઅંલના મિનલે  
 આંમેલીન ફીહે બે તાંઅંતેક વલે  
 આમેલીન ફીહે લે શફાઅંતેક.  
 અલ્લાહુમં મહદેના ઈલા સવાઈસં  
 સબીલે વજઅંલે મકીલના ઈનેદક ખંયર  
 મકીલીનં ફી ઝિંલેલિનં ઝંલીલિંવં વ  
 મુલકિનં જઝીલિનં ફ ઈત્રક હુંસબોના

વ નેઅંમલ વકીલો. અલ્લાહુમ્  
 મકલિબના મુફલેહીન મુનજેહીન ગંયર  
 મગંઝૂબિન અંલયના વ લા ઝાલ્લીન બે  
 રહુંમતેક યા અરહુંમર રાહુંમીન.  
 અલ્લાહુમ્મ ઈશી અસઅલોક બે  
 અંઝાએમે મગંફેરતેક વ બે વાજેબે  
 રહુંમતેકસ સલામત મિન કુલ્લે ઈસમિવ  
 વલ ગંનીમત મિન કુલ્લે બિરરિવ વલ  
 ફવઝ બિલ જન્તે વન નજાત મિનન  
 નાર. અલ્લાહુમ્મ દઅંકદ દાઉન વ  
 દઅંવતોક વ સઅલકસ સાએલૂન વ  
 સઅલતોક વ તંલબ ઈલયકત તાંલેબૂન  
 વ તંલબતો ઈલયક. અલ્લાહુમ્મ  
 અનતસ સેકંતો વર રજાઓ વ ઈલયક

મુનંતહરે રગંબતે ફિદ દુઆએ.  
 અલ્લાહુમ્મ ફ સંલ્લે અંલા મોહંમદિવ  
 વ આલેહી વજ્રઅંલિલે યકીન ફી કંલબી  
 વનં નૂર ફી બસંરી વનં નસીહંત ફી  
 સંદરી વ ઝિંકરક બિલ લયલે વનં નહારે  
 અંલા લિસાની વ રિઝકંવ વાસેઅંન  
 ગંયર મમનૂનિવ વ લા મહંઝૂરિન  
 ફરઝુકંની વ બારિક લી ફી મા રઝકંતની  
 વજ્રઅંલ ગિનાયા ફી નફસી વ રગંબતી  
 ફી મા ઈનંદક બે રહંમતેક યા અરહંમર  
 રાહંમીન.

અબ સિજદે મેં જાએ ઓર કહે:

અલ હંમદો લિલ્લાહિલ લઝી  
 હદાના લે મઅરેફતેહી વ ખંસંના બે

વિલાયતેહી વ વફફકંના લે તોઅંતેહી.

और १०० मरतजा कहे :

शुकरन, शुकरन

अज सिजदेसे सर उठा कर बैठ कर  
कहे :

अल्लाहुम्म ઈશી કંસંદતોક બે  
હુંજતી વઅંતમદતો અંલયક બે  
મસઅલતી વ તવજજહતો ઈલયક બે  
અઈમ્મતી વ સાદતી. અલ્લાહુમ્  
મનેફઅંના બે હુંબ્બેહિમ વ અવરિદના  
મવરેદહુમ વરેઝુકંના મોરાફકંતહુમ વ  
અદખિલનલ જત્રત ફી ઝુમરતેહિમ બે  
રહુંમતેક યા અરહુંમરે રાહુંમીન.

अय मअबूद! मैं सवाल करतां हूं तुमसे  
बवास्ता बछोत बडी नूरानियत के जो आज की

रात, एस बरुर्गत महीने में आहिर हुई है और बवास्ता ईज्जतवाले, रसूलके यह के तूरहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और हमारे उस गुनाहो के बक्ष दे के तूरिन्दे हमसे जियादा जानता है.

अय वोह जो तूर जानता है और हम नहीं जानते.

अय मअबूद! बरकत दे हमें आज की राते में के जिसे तूरने अगाजे रिसालत से इजीलत बक्षी अपनी बुरुर्गी से उसे बरतरी दी. और मकामे बुलंद दे कर उसको जीनत बक्षी है.

अय मअबूद! पस, हम तेरे सवाली है बवास्ता बेअसते शरीफ सैयदो सरदार महेरबान, और पाकीजाओ पारसाजात के लिये के, तूरहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और आज की रात और तमाम रातों में हमारे आ'माल को शरफे कबूलियत अता इरमा. हमारे गुनाहो को बक्ष दे. हमारी नेकीओ को पसंदीदा

करार दे. हमारी ખતાओ को ठांप दे, हमारे हिलों को अपने उमदा कलाम से ખुरसंद इरमा और हमारी रोजीयों में अपनी बारगाह से आसानीयो और इरावानी अता कर दे.

अय मअबूद! तु देખता है और ખुद नजर नही आता के तु मकामे नजर से बालाओ बुलंदतर है और ज्ञाअे आखिरो बाजगश्त तेरीही तरफ है और मोत देना और जिंदा करना तेरे इश्तेयारमे है, और तेरेही लिये है आगाज और अंजाम.

अय मअबूद हम जिल्लतो खारी में पउने से तेरी पनाह के तालिब है और वोह काम करने से जिससे तूने मना किया है.

अय मअबूद! हम तेरी रहमत के जरीअे तूजसे जन्नत के तलबगार है और दोजख से तेरी पनाह याहते है. तु हमें इससे पनाह दे, अपनी कुदरत के साथ और हम तुजसे जीबा तरीन हूरो की ख्वाहिश करते है वोह बवास्ता अपनी

ईज्जत के अता इरमा. और बुढापो के वक्त हमारी रोजीयो में कुशादगी पैदा इरमा. मोत के हंगाम हमारे आ'माल को पसंदीदा करार दे. हमें अपनीईताअत और अपनी नजदीकी के असबाब में तरक्की अता इरमा दे. अपने हक हिससे और मंजेलत की खातिर हमारी उमरे दराज कर दे. तमाम हालात और तमाम मआमलो में हमे बहेतरीन मअरेइत अता इरमा. हमें अपनी मज्लूक में से किसी के हवाले न कर के वोह हम पर अहसान रखे. और करम कर हम पर दुनिया और आपरेत की तमाम जरूरतों और हाजतों के जिमन में और हमने तुजसे अपने लिये जिन चीजों का सवाल किया है उनकी अताअेगी में हमारे बुजुर्गों, हमारी औलाद और दीनी भाईओं को भी शामिल इरमा. अय सबसे जियादा रहम करनेवाले.

अय मअबूद! हम सवाल करते है, बवास्ता तेरे अजिमनाम और तेरी कदीम हुकुमत

के तु रहेम इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और आले मोहम्मद अ.मु.स. पर हमारे सारे के सारे गुनाह बक्ष दे, क्युं के कसीर गुनाहों को बुजुर्गत र जात के सिवा कोई नही बक्ष सकता.

अय मअबूद! यह ईज्जतवाला महीना रजभ है. जिसे तुने हुरमतवाले महीनों में अव्वलीयत देकर हमे सरइराज किया. तुं ने ईसके जरीअे हमें दूसरी उम्मतो में मुमताज किया. पस, तेरे ही लिये हम्द है. अय अताओ बक्षिस करनेवाले पस, तुजसे सवाल करता हुं बवास्ता ईस माहके और तेरे बहोत बडे, बहोत ही बडे नाम से जो रोशन बुजुर्गीवाला है. तूने जल्द किया वोह तेरे ही जेरे साया काईम है, पस, वोह तेरे हां से दूसरे की तरफ नही जाता. बवास्ता उसके सवाल करता हुं के तू रहेमत नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनके पाकीजा अेहलेबैत पर और यह के ईस महीने में हमे अपनी इरमां भरदारी में रहेनेवाले और अपनी



शङ्काअत के उम्मीदवार करार दे.

अय मअबूद! हमें राहे रास्त की हिदायत दे. और अपने हां हमारा कयाम बहेतरीन जगेह पर अपने बुलंद साया और अपनी अजीम हुकूमतमें करार दे. पस, बेशक तु हमारे लिये काई और बहेतरीन सरपरस्त है.

अय मअबूद! हमे इलाह पानेवाले, कामियाबी वाले बनादे न हम पर गलब किया जाये और न हम गुमराह हो. वास्ता है तेरी रहेमत का, अय सबसे जियादा रहेम करनेवाले.

अय मअबूद! में सवाल करता हूं तेरी यकीनी बक्षिश और तेरी लाजमी रहेमत के जरीये, हर गुनाहसे बचाये रखने हर नेकीसे हिस्सा पाने, जन्नत में दाखले की कामियाबी, और जहन्नमसे नजात पाने का.

अय मअबूद! दुआ करनेवालोने तुजसे दुआ की और में भी दुआ करता हूं सवाल किया तुजसे सवाल करनेवालोने में भी सवाल करता

हुं तुजसे तलब किया तलब करनेवालेने में भी तुजसे तलब करता हूं.

अय मअबूद! तु ही मेरा सहारा और उम्मीदगाह है और दुआ में तेरी ही तरफ़ ईन्तेहाई रगबत है.

अय मअबूद! पस, तू रहेमत नाजिल इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी आल पर और मेरे दिल में यकीन, मेरी आंखों में नूर, मेरे सीने में नसीहत और मेरी ज़बान पर रात दिन अपना जिको अज़कार करार दे. किसी के अहसान और किसी इकावट के बगैर कुशादा रोज़ी दे. पस, जो रिज़क तु ने मुझे दिया है, इसमें मेरे लिये बरकत अता कर और मुझे मखलूक से बेनियाज़ बना दे और जो तेरे पास है उसमें रगबत दे. वास्ता तेरी रहेमत का अय सबसे ज़ियादा रहेम करनेवाले.

अज सिजहें में जाये और सो मरतबा कहें :

હમ્દ હૈ ઉસ ખુદા કે લિયે જિસને અપની મઅરેફત મેં હમારી રહનુમાઈ કી, અપની સરપસ્તી મેં ખાસ ક્રિયા ઔર ઈતાઅત કી તોફીક દી. શુક હૈ ઉસકા બહોત શુક.

**ફિર સિજદે સે સર ઉઠાએ ઔર કહે :**

અય મઅબૂદ! જો અપની હાજત કે લિયે તેરી તરફ આયા ઔર અપને સવાલ મેં તુઝ પર ભરોસા ક્રિયા હૈ. મેં અપને ઈમામો ઔર સરદારો કે ઝરીએ તેરી તરફ મુતવજજેહ હુવા.

અય મઅબૂદ! હમેં ઉનકી મહોબ્બત સે નફા દે, ઉનકે ઘાટ પર પહોચા, હમેં ઉનકી રિફાકત અતા કર ઔર હમેં ઉનકે સાથ જન્નત મેં દાખલ કર. વાસ્તા તેરી રહેમત કા, અય સબસે ઝિયાદા રહેમ કરનેવાલે.

સૈયદને ફરમાયા હૈ કે યહ દુઆ મબઅસ કે દિન ભી પઢી જાએ.

## माहे रज्ज की सताईसवीं का दिन

यह ईदो में से जहोत जडी ईदका दिन है, क्युं के ईसी दिन रसूले अरुम (स.अ.व.) मजुसि ज रिंसात हुये. और ईसी दिन जिअरुल अहेकामे रिंसात के साथ हुजूर पर नाजिल हुये. ईसी दिन के लिये रंइ अेक अमल है.

१- गुसल करना.

२- रोजा रपना, यह दिन साल भरमें उन चार दिनों में से अेक है के, जिनमें रोजा रपने की अेक ईमतेयागी शान है, जैसा के ईस दिन का रोजा सतर (७०) साल के रोजे का सवाज रपता है.

३- कसरत से दुइ शरीफ पढना.

४- हररत रसूले जुदा (स.अ.व.) और हररत अमीरुल मोअमेनीन (अ.स.) की जियारत करना.

५- मिरबाह मे शेजने जिंक किया है के

रयान षिन सल्लसे रियायत है के र्ज्ज र्माम मोहम्मद तकी (अ.स.) ञगदाद में थे तो आप पंदरह और सत्ताईश रज्ज को रोठा र्णते और आपके मुतअल्लेकीन भी रोठा र्णते थे. नीरु हम लोग हररुत के साथ ञारा र्कअत नमारु र्स तरुह पढते थे.

हर र्कअतमें सूरअे हरुद के साथ कोर् भी सूरा पढे नमारु के ञा'द सूरअे हरुद, सूरअे तौहीद, सूरअे इलक, और सूरअे नास चार चार भरुतञा पढे उसके ञा'द चार भरुतञा कहे :

ला र्हाला र्हल्लल्लाञो वल्लाञो अक़्बरो व सुर्भुर्ल्लानल्लाञे वल्ल हंमदो लिल्लाञे व लल हंवल व लल कुंवल र्हल्ला ञिल्लाञिल्ल अंलीययिल्ल अंलीम.

नही कोर् मअजूद सिवाये अल्लाह के और अल्लाह ञुर्गुवार है. ञुदा पाक है.

और हम जुदाही के लिये है. और नहीं कोई हरकतों कुव्वत मगर वोह जो जुदाअे जुलंदो भरतर है.

ચાર મરતબા કહે :

अल्लाहो अल्लाहो रब्बी ला  
उशरेको बेडी शर्यअन.

વોહ અલ્લાહ, વોહી અલ્લાહ મેરા રબ હૈ.  
में किसी चीज को उसका शरीक नहीं बनाता.

और चार मरतबा कहे :

ला उशरेको बे रब्बी अहँदन.

में किसी को अपने रब का शरीक नहीं मानता.

૬- શોખને જનાબ અબુલ કાસિમ હુસૈન બિન રવહ રિઝવાનુલ્લાહે અલયહ સે રિવાયત કી હૈ કે સત્તાઈસ રજબ કો બારા રકઅત નમાઝ પઢે ઔર હર દો રકઅત કે બા'દ બેઠે ઔર કહે :

અલહુંમદો લિલ્લાહિલ લર્હી લમ  
 યત્તખિંઝં વલદંવં વ લમં યકુલં લહૂ  
 શરીકુનં ફિલં મુલકે વ લમં યકુલં લહૂ  
 વલીયુમં મિનઝં ઝુંલ્લે વ કબ્બિરેહો  
 તકબીરા યા ઉદ્દેદતી ફી મુદ્દેદતી યા  
 સાહેબી ફી શિદ્દેદતી યા વલિયી ફી  
 નેઅંમતી યા ગિંયાસીં ફી રગેબતી યા  
 નજાહીં ફી હાજતી યા હાફેઝીં ફી  
 ગેયેબતી યા કાફિય ફી વહુદ્દેદતી યા  
 ઉનેસી ફી વહુશતી અનતસ સાતેરો  
 અંવેરતી ફ લકલ હુંમદો વ અનતલ  
 મોકીલો અંસરતી ફ લકલ હુંમદો વ  
 અનતલ મુનેએશો સંરેઅંતી ફ લકલ  
 હુંમદો સંલ્લે અંલા મોહુંમદિવં વ આલે

મોહંમદિવ વસંતુરે અંવેરતી વ આમિન  
 રવેઅંતી વ અકિલેની અંસરતી વસંફહ  
 અંને જુરેમી વ તજાવઝં અંને સય્યેઆતી  
 ફી અસંહાંબિલે જત્તે વઅંદસં સિદકિલે  
 લઝી કાનૂ યૂઅંદૂન.

હમ્મ ખુદાહી કે લિયે હૈ, જિસને કિસીકો  
 અપના બેટા નહી બનાયા ઓર ન દાઈમી  
 સલ્તનત મેં કોઈ ઉસકા શરીક હૈ. ન વોહ આજીઝ  
 હૈ કે કોઈ ઉસકા મદદગાર હો ઓર ઉસકી બડાઈ  
 બયાન કરો બહોત બહોત. અય મેરી ઉમ્રમેં મેરા  
 ઝખીરા અય સખીમેં મેરે સાથી અય નેઅમત મેં  
 મેરે સરપરસ્ત અય મેરી તવજજહ પર મેરે  
 ફરિયાદ રસ, અય મેરી હાજત મેં મેરી કામયાબી,  
 અય મેરી પોશીદગી મેં મેરે નિગેહબાન, અય  
 મેરી તનહાઈ મેં મેરી કિફાયત કરનેવાલે, અય  
 મેરી તનહાઈ કે સાથી, તૂહી મેરે ઐબકા પદાપોશ



હૈ, તો હમ્દ તેરેહી લિયે હૈ. ઓર તુ હી મેરી લગઝિશ સે દરગુઝર કરનેવાલા હૈ. હમ્દ તેરે હી લિયે હૈ. તૂહી મુઝે બેહોશી સે હોશ મેં લાનેવાલા હૈ. પસ, હમ્દ તેરે હી લિયે હૈ. રહેમત ફરમા મોહમ્મદ વ આલે મોહમ્મદ (સ.અ.વ.) પર ઓર મેરી ઐબ પોશી ફરમા, મુઝે ખોફસે બચાએ રખ. મેરી ખતાએ માફ ફરમા મેરે જુર્મસે દરગુઝર ફરમા, મેરે ગુનાહ માફ કર કે મુઝે એહલે જન્નત મેં સે કરાર દે. યહ વોહ સચ્ચા વાદા હૈ જો દુનિયા મેં ઉનસે કિયા જાતા હૈ.

ઈસ નમાઝ ઓર દુઆ કે બા'દ સૂરએ હમ્દ, સૂરએ તૌહીદ, સૂરએ ફલક, સૂરએ નાસ, સૂરએ કાફેરૂન, સૂરએ કદ્ર ઓર આયતુલ ફુરસી સાત સાત મરતબા પઢે. ફિર સાત મરતબા કહે :

લા ઈલાહ ઈલ્લાલાહો વલાહો  
અકબરો વ સુબ્હાનલાહે વ લા હુંવલ

व ला कुँवत ईल्ला बिल्लाह.

नही कोई मअबूद सिवाअे अल्लाह के और अल्लाह बुजुर्गतरे है और फुदा पाक है नही कोई हरकत और कुँवत मगर वोही जो फुदासे है.

और सात मरतबा कहे :

अल्लाहो अल्लाहो रब्बी, ला  
उशरेको बेही शर्यअन.

वोह अल्लाह, वोही अल्लाह मेरा रब है में किसी चीज को उसका शरीक नही बनाता.

ईस के जा'द जो भी दुआ पढना चाहे वो पढे.

७- किताबे ईकजाल और भिरणाह में सत्ताईस रज्ज के दिन ईस दुआ का पढना मुस्तहब करार दिया गया है.

या मन अमर बिल अँईवे  
वतजावोले व लँभन नईसहुले अँईव

વતજાવોઝ યા મન અંકા વ તજાવઝ  
 ઉઅંકો અંત્રી વ તજાવઝ યા કરીમ.  
 અલ્લાહુમ્મ વ કંદ અકદતં તંલબો વ  
 અઅંયતિલ હીલતો વલ મઝંહબો વ  
 દરસતિલ આમાલો વનકંતંઅંરે રજાઓ  
 ઈલ્લા મિનક વહંદક લા શરીક લક.  
 અલ્લાહુમ્મ ઈત્રી અજેદો સોબોલલ  
 મતંલેબે ઈલયક મુશરઅંતંવ વ  
 મનાહેલરે રજાએ લદયક મુતરઅંતંવ વ  
 અબવાબદ દુઆએ લે મન દઆંક  
 મુફતહંતંવ વલ ઈસંતેઆંનત લે  
 મનિસંતઆંન બેક મુબાહંતંવ વ  
 અઅંલમો અત્રક લે દાઈક બે મવઝંએ  
 ઈજાબતિંવ વ લિસંસારેબે ઈલયક બે

મરેસંદે ઈગોસંતિવે વ અગ્ર કિલે લહકે  
 ઈલા જૂદેક વઝંઝમાને બે એદતેક  
 એવઝંને મિમં મનેઈલે બાખેલીન વ  
 મનેદૂહંતને અંમમા ફી અયદીલે  
 મુસંતઅસેરીન વ અગ્રક લા તહંતજેબો  
 અંને ખંલકેકે ઈલ્લા અને તહંજોબહોમુલે  
 અઅમાલો દૂનક વ કંદે અંલિમતો અગ્ર  
 અફઝંલ ઝાદિરે રાહેલે ઈલયકે અંઝમો  
 ઈરાદતિયં યખંતારોક બેહા, વ કંદે  
 નાજાક બે અંઝમિલે ઈરાદતે કંલેબી વ  
 અસંઅલોક બે કુલ્લે દઅવતિને દઅંક  
 બેહા રાજિને બલ્લગંતહૂ અમલહૂ અવે  
 સંરેખુંન ઈલયકે અગંસંત સંરેખંતહૂ  
 અવે મલેહુકુંને મકરૂબુને ફરેરજેત

કરેબહૂ અવ મુઝનેબુને ખાંતેઉને ગંફરેત  
 લહૂ અવ મુઆંફને અતમમત નેઅંમતક  
 અંલયહે અવ ફકીરૂને અહદયત ગિનાક  
 ઈલયહે વલે તિલકદ દઅવતે અંલયક  
 હુંકુંવે વ ઈનેદક મનેઝેલતુને ઈલા  
 સંલયત અંલા મોહંમદિવે વ આલે  
 મોહમદિવે વ કંઝંયેત હુંવાએજી  
 હુંવાએજદ દુનયા વલે આખેરતે વ હાઝાં  
 રજબોનિલ મુરજજબુલ મુકરેરમુલ  
 લઝાં અકરમતના બેહી અવ્વલો  
 અશહોરિલ હોરોમે અકરમતના બેહી  
 બયનિલ ઉમમે યા ઝલે જૂદે વલે કરમે  
 ફ નસઅલોક બેહી વ ખિસમેકલ  
 અઅંઝમિલ અઅંઝમિલ અઅંઝમિલ

અજલલિલ અકરમિલ લગી ખંલકંતહૂ  
 ફસંતકંરેર ફી ઝિંલ્લેક ફ લા યખંરોજો  
 મિનક ઈલા ગંયરેક અન તોસંલ્લેય અંલા  
 મોહુંમદિંવ વ અહલે બયતેહિતં  
 તાંહેરીન વ તજઅંલના મિનલ આંમેલીન  
 ફીહે બે તાંઅંતેક વલ આમેલીન ફીહે બે  
 શફાઅંતેક. અલ્લાહુમ્મ વહદેના ઈલા  
 સવાઈસ સબીલે વજઅંલ મકીલના  
 ઈનેદક ખંયર મકીલીન ફી ઝિંલલિન  
 ઝંલીલિન ફ ઈત્રક હંસબોના વ નેઅંમલ  
 વકીલો વસ સલામો અંલા એબાદેહિલ  
 મુસંતંફયન વ સંલવાતોહૂ અંલયહિમ  
 અજમઈન. અલ્લાહુમ્મ વ બારિક લના  
 ફી યવમેના હાઝલ લગી ફઝંઝલતહૂ વ

બે કરામતેક જલલતહૂ વ બિલ  
 મનઝેલિલ અંઝીમિલ અઅંલા  
 અનઝલતહૂ સંલ્લે અંલા મન ફીહે ઈલા  
 એબાદેક અરસલતહૂ વ બિલ મહંલિલિલ  
 કરીમે અહંલલતહૂ. અલ્લાહુમ્મ સંલ્લે  
 અંલયહે સંલાતન દાઈમતન તકૂનો લક  
 શુકરંવ વ લના ઝુંખરંવ વજઅંલ લના  
 મિન અમરેના યુસરંવ વખંતિમ લના  
 બિસ સઆદતે ઈલા મુનતહા આજલેના  
 વ કંદ કંબિલતલ યસીર મિન  
 અઅંમાલેના વ બલ્લગંતના બે રહંમતેક  
 અફઝલ આમાલેના ઈત્રક અંલા કુલ્લે  
 શયઈન કંદીરંવ વ સંલ્લલ્લહો અંલા  
 મોહંમદિવ વ આલેહી વ વસલ્લમ.

अय वोह जिसने अइवो दरगुजरका हुकम दिया है और खुद को अइवो दरगुजर का जामिन करार दिया है. अय वोह जिसने माइ किया और दरगुजर की, मुझे माई दे और दरगुजर इरमा, अय बुजुर्गतार.

अय मअबूद! तलबने मुझे मशकतमें डाल दिया, यारा साजी जत्म और रास्ता बंध हो गया, आरजूअे पुरानी छुई और उम्मीदें तूट गई. मगर तुजसे नहीं तूटी तु ही यकता है तेरा कोई शरीक नहीं.

अय मअबूद! मैं अपने मकासिद के रास्ते तेरी तरफ़ हुअे पाता हुं और उम्मीद के सरयश्मे तेरी तरफ़ लबालब तरे हुअे है और जो तुजसे दुआ करे उसके लिये दुआ के दरवाजे खुले हुअे है. तुजसे मदद मागनेवाले के लिये तेरी मदद आम है.

और मैं जानता हुं के बेशक तु पुकारनेवाले के लिये मरकजे कबुलियत है. तु इरियाद



करनेवाले के लिये दाद रसीका ठिकाना है. और यकीनन तेरी अता में रगभत और तेरे वादे पर अेअतेमाद ही है, जो कंजूसो की तरफ से रुकावटका धलाज और मालदारो के कब्जो में आये हुअे माल पर रंजसे बयानेवाला है. बेशक तु अपनी मप्लूकसे ओजल नही है मगर बात यह है के उनके बूरे आ'मालने उनकी आंणो पर परदा डाला हुवा है. और में जानता हुं के तेरी तरफ सहर करनेवाले का बहेतरीन ज़ादेराह तुजे पा लेने का पक्का धरादा ही है. बेशक यक सुध के साथ तेरी याद में लगा हुवा हु. और में तुजसे सवाल करता हुं ऐसी दुआ के जरीअे जो किसी उम्मीदवारने की और कबूल हुध, या जैसे हरियादी की हरियाद जिसकी तकलीफ तूने दादरसी की है, या उस रंजदा दुभी जैसी हरियाद जसकी तकलीफ तूने दूर की है, या जैसे ખताकार गुनेहगार की सी पुकार जिसे तूने बक्ष दिया है. या जैसे बाआराम जैसी दुआ जिसे तूने सब

नेअमतें अता की है या उस मोहताज जैसी दुआ जिसे तूने दवलत अता की है. और ऐसी दुआ जिसने तुज पर अपना हक पैदा किया और तेरे हुजूर गिरामी हुई. वोह यही है के तू रहमत नाजिल इरमा मोहम्मद स.अ.व. व आले मोहम्मद अ.मु.स. पर और दुनिया और आभेरत में मेरी तमाम हाजत पूरी इरमा.

और यह माहे रजब है के ईज्जतो शानवाला है, जिससे तूने हमें सरइराज किया, जो इरमतवाले महीनो का पहेला है, इससे तूने हमें उम्मतो में से मुमताज किया अय अताओ बक्षिश के मालिक!

पस, में सवाल करता हूं इस के वासते से और तेरे नाम के जरीअे जो बहोत बडा, बहोत बडा और बहोत ही बडा है. रोशन तर और बुजुर्गीवाला के जिसे तूने बल्क किया पस, वोह तेरे बुलंद सायामें ठहरे और तेरे यहां से किसी और की तरफ नही गया. में सवाल करता हूं के

रहेमत इरमा मोहम्मद (स.अ.व.) पर और उनकी पाकीजातर अहलेबयत पर और हमें अपनी इरमाबरदारी पर कार बंद और अपनी शफाअतका तलबगार और उम्मीदवार बना दे.

अय मअबूद! हमें राहे रास्त की तरफ़ हियत इरमा और हमारी रोज़ मर्दा जिंदगी को अपनी जनाब से बेहतरीन जिंदगी करार दे जो तेरे बुलंद तरीन साये में हो. पस, तु हमारे लिये काफ़ी और बेहतरीन काम बनानेवाला है.

और सलाम हो उस जुदा के युने हुअे अइराद पर और उन सबों पर उसकी रहेमत नाजिल हो.

अय मअबूद! आज का दिन हमारे लिये मुबारक इरमा के जिसे तुने इमीलत दी और अपनी महेरबानी से उसको जैबाईश दी और उसे बुलंदतर मकाम पर उतारा है. इस दिन में उस पर रहेमत इरमा जिअसे तूने अपने बंदों की तरफ़ रसूल बना कर भेजा और उसे

ईज्जतवाली जगह पर उतारा है.

अय मअबूद! रहेमत इरमा आं हजरत पर हमेशा की रहेमत जो तेरे शुक्र का मुज्जब बने और हमारे लिये ज्जीरा हो. और हमारे कामो में आसानी और सहूलत करार दे. और हमारी जिंदगीओ को सआदत मंटी व नेक बन्नी के साथ अंजाम पर पड़ोया और तूने मामूली आ'माल को शरई कबुलियत बक्षा है और अपनी रहेमत से हमे अपने मकासिद में कामियाब किया है. बेशक तु हर चीज पर कुदरत रખता है और दुइदो सलाम हो मोहम्मद (स.अ.व.) और उनकी पाको पाकीजा आल पर.

मोअख्लिफ़ कहते हैं के इमाम मुसा काज़िम (अ.स.) को जब जगदाद ले जा रहे थे तो उस रोज आपने यह दुआ पढी. और वोह सत्ताईस रज्ज का दिन था. पस यह दुआ रज्जकी पास दुआओ में शुमार होती है.

८- सैयदने ईकजाल में इरमाया है के

२७ रज्ज को यह दुआ पढे:

अल्लाहुम्म ईत्नी असैअलोक बिनै  
नज्जिलै अअँमिदु दुआँये.

इइअमी की रिवायत के तहत यह दुआ  
सत्ताईस रज्ज की रात को पढी जानेवाली  
दुआओ में भी लिंक हुँ है.

**माहे रज्ज का आपरी दिन**

ईस रोज गुस्त का हुकम है और ईस  
दिन का रोजा रफना गुमिश्ता और आईद  
गुनाहो की माफी का मूजुब है, नीज ईस  
रोज नमाजे सलमान इरसी पढे के जिसका  
तरीका पहेली रज्ज के आ'माल में मजकूर  
है.